RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:257 ता. 04 अप्रेल 2024, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

अमेठी से मतदाता बनीं स्मृति इरानी

अमेठी । केंद्रीय महिला एवं बाल विकास व अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री स्मृति इरानी ने अपने संसदीय क्षेत्र के लोगों से किया एक और वादा पूरा कर दिया है। अमेठी से पारिवारिक रिश्ता जोड़ने वाली स्मृति इरानी अब अमेठी से मतदाता भी बन गई हैं। गौरीगंज के मेदन मवई गांव में अपना आवास बनाने के बाद उन्होंने मतदाता बनने के लिए आवेदन किया। जिसके बाद उन्हें मेदन मवई गांव में मतदाता बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री के प्रतिनिधि विजय गुप्ता ने बताया कि दीदी स्मृति अमेठी को अपना परिवार मानती हैं। अमेठी परिवार के बीच रहने के लिए ही उन्होंने यहां अपना आवास बनवाया है। आवास बनने के साथ ही दीदी स्मृति ने अमेठी से खुद को मतदाता बनाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी थी। औपचारिकताएं पूरी होने के साथ ही वह अमेठी संसदीय क्षेत्र के गौरीगंज विधान सभा क्षेत्र के मेदन मवई गांव के 347 बूथ संख्या की मतदाता बन गई हैं। अमेठी से मतदाता बनने पर दीदी स्मृति ने खुशी जताते हुए इसे अपने जीवन की बड़ी उपलब्धि बताते हुए विश्वास जताया है कि इससे हमारे रिश्तों को अमेठी में और मजबूती मिलेगी।

राजीव गांधी हत्याकांड के तीन दोषी श्रीलंका लौटे

चेन्नई । पूर्व पीएम स्व.राजीव गांधी हत्याकांड के दोषी बुधवार को श्रीलंका लौट गए। वे तमिलनाडु के तिरुची में स्पेशल कैंप में रह रहे थे। बीते मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय से अंतिम मंजूरी मिलने के बाद सभी दोषियों के श्रीलंका जाने का मार्ग प्रशस्त हो गया। बता दें कि श्रीलंका जाने वालों में मुरुगन, रॉबर्ट पायस और जयकुमार हैं। श्रीलंकाई अधिकारियों ने उनके सभी दस्तावेज मुहैया करा दिए हैं। 12 नवंबर 2022 से सभी आरोपी तिरुचि में केंद्रीय कारागार के पास स्पेशल कैंप में थे। सुप्रीम कोर्ट से आदेश मिलने के बाद सभी दोषियों की रिहाई का मार्ग प्रशस्त हो सका था। चौथा दोषी, जो कैंप में था, उसका नाम संथन उर्फ टी.सुथेनथिराराजा है। संथन की बीते 21 फरवरी को किडनी फेल होने की वजह से राजीव गांधी अस्पताल में मौत हो गई थी। उसे अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए वापस कोलंबो जाना था। हालांकि, उसका निधन हो गया।

इंडिया गठबंधन में फूट, नेशनल कॉन्फ्रेंस के खिलाफ चुनाव लड़ेगी पीडीपी

श्रीनगर । इंडिया गठबंधन में शामिल महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने कश्मीर की तीन लोकसभा सीटों पर पार्टी प्रत्याशी उतारने का फैसला कर लिया है। इसके बाद साफ हो गया हैं कि विरोधियों के इंडिया गठबंधन में शामिल मुफ्ती की पीडीपी और उमर अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेगी। महबूबा मुफ्ती ने कहा, एनसी ने कश्मीर की तीनों सीटों पर चुनाव लड़ने का एकतरफा फैसला किया है। हम भी इन सीटों पर चुनाव लड़ने वाले है। जम्मू की दो सीटों पर चुनाव लड़ने पर जल्द ही फैसला होगा। उन्होंने कहा कि एनसी ने अनंतनाग-राजौरी से मियां अल्ताफ को अपना उम्मीदवार बनाया है। उमर अब्दुल्ला ने हमारे लिए कोई विकल्प नहीं छोड़ा। इसलिए हमने ये फैसला किया।

लोकसभा चुनाव: हिमाचल में हाईकामन ने दी जिम्मेदारी, कांग्रेस में दिखी सक्रियता

-इंतजार है तो लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा का

कांगड़ा। हिमाचल में लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने मार्च में ही अपने प्रत्याशियों की घोषणा के साथ प्रचार का आगाज कर दिया था। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस में असमंजस है। उम्मीदवारों के चयन और प्रचार के मोर्चे पर कांग्रेस पीछे चल रही है। देर से ही सही लेकिन अब पार्टी के बड़े नेता सक्रिय होने लगे हैं। कांगड़ा, मंडी, हमीरपुर और ऊना में पार्टी संगठन की हलचल तेज होने लगी है जिससे अब सियासी गर्माहट बढ़ेगी। इंतजार है तो लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा का। कांग्रेस के कांगड़ा-चंबा संसदीय क्षेत्र प्रभारी कैबिनेट मंत्री चंद्र कुमार धर्मशाला में सक्रिय दिखाई दिए। उन्होंने पार्टी नेताओं के साथ बैठकें कर चुनावी तैयारियों और रणनीति बनाई। पत्रकार वार्ता कर भाजपा आड़े हाथों लिया। सुधीर शर्मा के पाला बदल लेने के बाद पार्टी में उनके समर्थकों को बाहर का रास्ता दिखाया और नए पदाधिकारियों की नियुक्ति कर धर्मशाला में संगठन को नई धार दी है। हमीरपुर में सुक्खू सरकार में कैबिनेट मंत्री राजेश धर्माणी, प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष एवं विधायक चंद्रशेखर और विधायक सुरेश कुमार भी सक्रिय हैं। अब कांग्रेस हाईकमान पूरी रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। हाईकमान ने हिमाचल कांग्रेस के बड़े नेताओं को जिम्मेदारियों में बांधकर सक्रिय कर दिया है। उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया को हाईकमान का फोकस पार्टी नेताओं और संगठन को भी सक्रिय करने पर है। इसका असर चुनावी मैदान में दिखने भी लगा है। हिमाचल कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिभा सिंह संसदीय क्षेत्र मंडी में सक्रियता बढ़ा रही हैं। हालांकि वह चुनाव लड़ने से इन्कार करती रही हैं लेकिन अब उनकी सक्रियता बढ़ रही है। बुधवार को प्रतिभा सिंह का मंडी आने का कार्यक्रम था, लेकिन दिल्ली में पार्टी की बैठक के चलते अब वह नहीं आईं।

ताइवान में आए भूकंप से

ताश के पत्तों की तरह ढह गईं कई इमारतें

रिक्टर स्केल पर तीव्रता 7.4 मापी गई

ताइपे। (एजेंसी)

बुधवार की सुबह सुबह ताइवान से डराने वाली खबर आई। यहां 7.4 की तीव्रता से आए भूकंप ने बड़ी बड़ी इमारतें ताश की पत्तों की तरह ढहा दीं। अब जानकार चेतावनी दे रहे हैं कि सुनामी भी आ सकती है। भीषण भूकंप का नतीजा यह हुआ कि कई इमारतें ढह गईं और सड़कों पर मौजूद लोग कंपन्न में खुद को संभालने की कोशिश करते नजर आए। कहा जा रहा है कि 25 सालों में ताइवान में पहली बार इतनी बड़ी त्रासदी का सामना किया है। इस प्राकृतिक घटना के बाद सुनामी की भी आशंका जताई जाने लगी है। शक्तिशाली भूकंप आने के बाद जापान ने अपने दक्षिणी द्वीप समूह ओकिनावा में सुनामी का अलर्ट जारी किया है। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने अपने पूर्वानुमान में बताया है कि सुनामी की वजह से समुद्र में तीन मीटर (9.8 फुट) तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। बुधवार सुबह आए भूकंप की वजह से कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। हालांकि इससे पहले ताइवान ने साल 1999 के भीषण भूकंप का सामना किया था। उस दौरान 2500 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। साथ ही 1300 से ज्यादा लोग घायल भी हुए थे। उस दौरान ताइवान के नानतौ को सबसे ज्यादा प्रभावित माना गया था। भूकंप के बाद सोशल मीडिया पर ताइवान के कई हिस्सों की तस्वीरें और वीडियो भी साझा किए जाने लगे हैं। नजर आ रहा है कि कैसे एक ऊंची इमारत अचानक गिर रही है। मीडिया द्वारा पूर्वी ताइवान के हूलिएन काउंटी के बैबिन स्ट्रीन का एक वीडियो जारी किया गया है, जिसमें नजर आ रहा है कि विशाल इमारत मिट्टी के घर की एक ओर झुक गई। भूकंप से ताइवान के हूलियन शहर में कई इमारतें गिर गईं। सुरक्षा के मद्देनजर रेल सेवाओं को स्थगित कर दिया है। साथ ही स्कूलों, सरकारी दफ्तरों को काम बंद करने का विकल्प भी दिया गया है। राजधानी ताइपेई में भी रेल सेवाओं को बंद कर

दिया गया है। यहां भी कई इमारतों को ढहने की खबरें हैं। फिलहाल, इस प्राकृतिक आपदा में एक व्यक्ति की मौत और करीब 50 लोगों के घायल होने की जानकारी है।

अखिलेश और कांग्रेस नहीं बनवा रहे थे राम मंदिर--अमित शाह

मुजफ्फरनगर । (एजेंसी)

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि ये चुनाव पीएम मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। पीएम मोदी ने गरीबों और किसानों के उत्थान के लिए बहुत सारे कार्य किए हैं। पीएम मोदी ने गुड़ और गन्ने के इस क्षेत्र में गन्ने के लिए राष्ट्रीय नीति बनाकर ढेर सारे बदलाव किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि घमंडिया गठबंधन के लोग अखिलेश और कांग्रेस राम मंदिर नहीं बना रहे थे। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह ने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी संजीव बालियान के समर्थन में मुजफ्फरनगर में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने कहा कि घमंडिया गठबंधन, जिसमें अखिलेश यादव की पार्टी और कांग्रेस पार्टी है, ये कभी नहीं चाहते थे कि अयोध्या में राम मंदिर बने। कांग्रेस ने 70 साल तक राम जन्मभूमि के मुद्दे को अटकाकर, लटकाकर और भटकाकर रखा। पीएम मोदी ने केस भी जीता, भूमि-पूजन भी किया और 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भी कर दी। उन्होंने कहा कि आप याद कीजिये जब कांग्रेस की सरकार थी, तब गन्ने की एफआरपी 210 रुपये प्रति क्विंटल थी। आज इसे 340 रुपये प्रति क्विंटल करने का काम पीएम मोदी ने किया है। भुगतान की जहां तक बात है, आज 2 लाख 50 हजार करोड़ रुपये का गन्ना भुगतान करने का काम भाजपा की सरकार ने किया है। शाह ने दावा किया कि बसपा के शासन में 19 चीनी मिलें बंद हुई, अखिलेश के शासन में 10 चीनी मिलें बंद हुई। लेकिन भाजपा

के शासन में 20 से अधिक चीनी मिलों को शुरू किया गया और 5 नई चीनी मिलें बनाने का काम भी हमारी सरकार ने किया है। इसके अलावा गृह मंत्री ने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने कश्मीर से आतंकवाद को समाप्त करने का काम किया है। सर्जिकल स्ट्राईक और एयर स्ट्राइक करके पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकवादियों का सफाया करने का काम मोदी जी ने किया है।

बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम की सुरक्षा के लिए नई एसओपी

उत्तराखंड पुलिस को दी जा सकती है खास जिम्मेदारी

देहरादून। (एजेंसी)

बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए वहां तैनात पुलिसकर्मियों को अब विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके लिए एसओपी तैयार की जा रही है। एसओपी तैयार करने एक समिति का गठन किया गया है। इस समिति के निर्णय पर ही ट्रेनिंग की रूपरेखा तय की जाएगी।

बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद इन दोनों धामों की सुरक्षा आईटीबीपी करता है। ऊंचाई वाले स्थानों पर तैनात रहने में आईटीबीपी ही दक्ष होती है।

बताया जा रहा कि ऑफ सीजन में इन दोनों धामों की सुरक्षा भी उत्तराखंड पुलिस के हाथ में ही दी जा सकती है। अभी इस संबंध में अभी कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। यात्रा के दौरान यह जिम्मेदारी उत्तराखंड पुलिस के हाथ में रहती है। ऐसे में पुलिस को अब इस काम के लिए और भी दक्ष बनाए जाने पर विचार चल रहा है। उन्हें हाई एल्टीट्यूड पर तैनात रहने के लिए विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। गठित समिति ट्रेनिंग मॉड्यूल तैयार करेगी, जिसके बाद एसडीआरएफ व अन्य विंग इन जवानों को ट्रेनिंग दी जाएगी। एडीजी ने बताया कि बदरी और केदारनाथ कपाट बंद होने के बाद पुलिस की ओर से केंद्र से सेंट्रल आर्म्ड फोर्स की मांग की जाती है। यहां पर आईटीबीपी को तैनात किया जाता है। ऐसे में आईटीबीपी से पुलिस और पुलिस से आईटीबीपी को सुरक्षा ट्रांसफर के लिए भी एसओपी बनाई जाएगी।

कठुआ के अस्पताल में हुई पुलिस मुठभेड़ में गैंगस्टर ढेर

फायरिंग में पीएसआई दीपक शर्मा शहीद, एसपीओ घायल

जम्मू। (एजेंसी)

जम्मू के जिला कठुआ के जीएमसी में गैंगस्टरों और पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ में एक गैंगस्टर मारा गया। इस मुठभेड़ में पुलिस का जवान भी गंभीर रुप से घायल हो गया था लेकिन उपचार के दौरान उस भी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार जम्मू संभाग के जिला कठुआ के राजकीय मेडिकल अस्पताल (जीएमसी) में मंगलवार देर रात गैंगस्टरों और पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ हुए। इसमें एक गैंगस्टर मारा गया। दोनों तरह से हुई फायरिंग में पीएसआई दीपक शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया उसे तुरंत इलाज के भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसे दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक, थाना रामगढ़ की पुलिस टीम एक हत्या के मामले में वांछित अपराधी वासुदेव उर्फ शुन्नू निवासी रामगढ़ (सांबा) को गिरफ्तार करने के लिए जीएमसी कठुआ पहुंची। जब पीएसआई दीपक शर्मा ने आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया तो आरोपी शुन्नू ने पिस्तौल से गोली चला दी, जिसमें दीपक शर्मा के सिर में गोली लगी। पुलिस टीम ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की जिसमें अपराधी वासुदेव उर्फ शुन्नू मारा गया। घायल पीएसआई दीपक को इलाज के लिए पठानकोट के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं गोलीबारी में घायल होने वाले दूसरे पुलिस कर्मी की पहचान 40 वर्षीय एसपीओ अनिल कुमार के रुप में हुई है। जोकि, सांबा के रामगढ़ थाने में तैनात हैं। अनिल रामगढ़ के ही रहने वाले हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार घटनास्थल से पुलिस को एक चीनी पिस्तौल बरामद हुई है। कठुआ पुलिस मामले जांच कर रही है।

केजरीवाल मामले में ईडी ने वकील ने कहा, अंधेरे में तीर नहीं चला रहे.....हमारे पास पर्याप्त सबूत

नई दिल्ली । (एजेंसी)

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। बुधवार को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की अदालत में सुनवाई चल रही है। जहां केजरीवाल की ओर से सीनियर वकील अभिषेक मनु सिंघवी और वकील विक्रम चौधरी मौजूद हैं। ईडी की ओर से एएसजी एसवी राजू ने पैरवी की। सिंघवी ने कहा, केजरीवाल की गिरफ्तारी से यह निश्चित हो गया है कि वे लोकतांत्रिक गतिविधियों में नहीं शामिल हो पाएंगे। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि पहला समन अक्टूबर 2023 को भेजा गया और गिरफ्तारी 21 मार्च को हुई। इस पूरे प्रकरण से दुर्भावना की बू आती है और इससे हमारा मूलभूत ढांचे को नुकसान हो रहा है। मैं यहां राजनीतिक की नहीं, बल्कि कानून की बात कर रहा हूं। केजरीवाल की गिरफ्तारी की टाइमिंग इशारा करती है कि यह असंवैधानिक है। इस पर ईडी के वकील एएसजी राजू ने कहा, मान लीजिए कोई चुनाव से 2 दिन पहले मर्डर कर देता है, तब क्या गिरफ्तार नहीं किया जाएगा? क्या उसकी गिरफ्तारी मूलभूत ढांचे को नुकसान पहुंचाएगी। आप मर्डर करे और कहे कि मुझे गिरफ्तार नहीं किया जा सकता, क्योंकि इससे मूलभूत ढांचे को नुकसान होगा। अदालत में सुनवाई के दौरान एजीएस राजू ने कहा कि अपराधी और आरोपी यह नहीं कह सकते कि हम गुनाह करेंगे और हमें इसकारण गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, क्योंकि चुनाव हैं। ये हास्यास्पद है। इससे अपराधियों को खुलेआम घूमने का लाइसेंस मिल जाएगा। हम अंधेरे में तीर नहीं चला रहे। हमारे पास वॉट्सएप चैट, हवाला ऑपरेटर्स के बयान और इनकम टैक्स का डेटा भी है।

कांग्रेस का 'घर-घर गारंटी अभियान शुरु, खरगे का आरोप मोदी की गारंटी लोगों को नहीं मिली

नई दिल्ली।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आम चुनाव के लिए उत्तर पूर्वी दिल्ली से पार्टी के 'घर-घर गारंटी अभियान की शुरुआत कर दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'गारंटी' लोगों को नहीं मिली, लेकिन उनकी पार्टी जो गारंटी दे रही है, वह इन गारंटियों पर अमल करेगी। पार्टी का यह चुनावी अभियान पांच 'न्याय' और 25 'गारंटी' पर आधारित है। इस अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता पांच 'न्याय' और 25 'गारंटी' वाला कार्ड घर-घर जाकर वितरित करने वाले हैं। पार्टी का लक्ष्य आठ करोड़ परिवारों तक पहुंचने का है। खरगे ने उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में इस अभियान की शुरुआत की। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा, इन गारंटी के कार्ड हमारे लोग घर-घर बांटेंगे। वह लोगों को बताएंगे कि हमारी सरकार आने के बाद हम क्या क्या काम करने वाले हैं। उन्होंने कहा ''हम लोगों को गारंटी देते हैं कि हमारी सरकार हमेशा गरीबों के साथ रहेगी और गरीबों के लिए काम करेगी।'' खरगे ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के समय की प्रमुख योजनाओं और कानूनों का उल्लेख कर कहा कि कांग्रेस की सरकारों में देश की जनता को फायदा हुआ है। उन्होंने कहा, पीएम मोदी जी अपनी गारंटी की बात करते हैं, लेकिन उनकी गारंटी कामयाब नहीं हुई। उनकी गारंटी लोगों को नहीं मिली। उन्होंने हर साल दो करोड़ नौकरियों की बात की, लेकिन लोगों को नौकरी नहीं मिली। उन्होंने 15-15 लाख रुपये देने का वादा किया, लेकिन यह गारंटी भी पूरी नहीं। खरगे ने आरोप लगाया कि किसानों से किए वादे भी मोदी सरकार ने पूरे नहीं किए। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का घोषणापत्र पांच न्याय - 'हिस्सेदारी न्याय', 'किसान न्याय', 'नारी न्याय', 'श्रमिक न्याय' और 'युवा न्याय'पर आधारित होगा। यह पांच अप्रैल को जारी किया जाएगा। पार्टी ने 'युवा न्याय' के तहत जिन पांच गारंटी की बात की है, उसमें 30 लाख सरकारी नौकरियां देने और युवाओं को एक साल के लिए प्रशिक्षुता कार्यक्रम के तहत एक लाख रुपये देने का वादा शामिल है। कांग्रेस पार्टी ने 'हिस्सेदारी न्याय' के तहत जाति आधारित जनगणना कराने और आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा खत्म करने की 'गारंटी' दी है। कांग्रेस पार्टी ने किसान न्याय' के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा देने, कर्ज माफी आयोग के गठन तथा 'जीएसटी' मुक्त खेती का वादा किया है। कांग्रेस ने 'श्रमिक न्याय' के तहत मजदूरों को स्वास्थ्य का अधिकार देने, न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये प्रतिदिन सुनिश्चित करने और शहरी रोजगार गारंटी का वादा किया है।

कठुआ के अस्पताल में हुई पुलिस मुठभेंड़ में गैंगस्टर ढेर

-फायरिंग में पीएसआई दीपक शर्मा शहीद, एसपीओ घायल

जम्मू। जम्मू के जिला कठुआ के जीएमसी में गैंगस्टरों और पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ में एक गैंगस्टर मारा गया। इस मुठभेड़ में पुलिस का जवान भी गंभीर रुप से घायल हो गया था लेकिन उपचार के दौरान उस भी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार जम्मू संभाग के जिला कठुआ के राजकीय मेडिकल अस्पताल (जीएमसी) में मंगलवार देर रात गैंगस्टरों और पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ हुए। इसमें एक गैंगस्टर मारा गया। दोनों तरह से हुई फायरिंग में पीएसआई दीपक शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया उसे तुरंत इलाज के भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसे दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक, थाना रामगढ़ की पुलिस टीम एक हत्या के मामले में वांछित अपराधी वासुदेव उर्फ शुन्नू निवासी रामगढ़ (सांबा) को गिरफ्तार करने के लिए जीएमसी कठुआ पहुंची। जब पीएसआई दीपक शर्मा ने आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया तो आरोपी शुन्नू ने पिस्तौल से गोली चला दी, जिसमें दीपक शर्मा के सिर में गोली लगी। पुलिस टीम ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की जिसमें अपराधी वासुदेव उर्फ शुन्नू मारा गया। घायल पीएसआई दीपक को इलाज के लिए पठानकोट के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं गोलीबारी में घायल होने वाले दूसरे पुलिस कर्मी की पहचान 40 वर्षीय एसपीओ अनिल कुमार के रुप में हुई है। जोकि, सांबा के रामगढ़ थाने में तैनात हैं। अनिल रामगढ़ के ही रहने वाले हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार घटनास्थल से पुलिस को एक चीनी पिस्तौल बरामद हुई है। कठुआ पुलिस मामले जांच कर रही है।

हिमाचल प्रदेश में अब बिना एमआरपी पर बिकेगी शराब

- कारोबारी खुद तय करेंगे शराब की कीमत

शिमला। हिमाचल सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 में पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ की तर्ज पर शराब बिक्री करने का फैसला लिया है। अब शराब की बोतल पर एमआरपी की जगह एमएसपी लिखा है। शराब कारोबारी को बेचने के लिए कोई भी दाम नहीं दिया है। अब कारोबारी खुद ही तय करेगा कि कितने लाभ पर शराब बेचनी है। हिमाचल प्रदेश के ठेकों में अब अलग-अलग दाम पर शराब बिकेगी। सरकार ने अब बोतल पर एमआरपी की जगह एमएसपी लिखवा दिया है। कारोबारी को शराब बेचने के लिए कीमत फिक्स नहीं की है अब कारोबारी को ही करना होगा कि कितना लाभांश कमाते हुए शराब बेचना है। पड़ोसी राज्यों से मुकाबले और अवैध शराब की निगरानी के लिए सरकार ने आबकारी नीति में यह बदलाव किया था। अब 1 अप्रैल से नई व्यवस्था लागू हो गई है। कर एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों का तर्क है कि इससे बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। किसी ठेके में महंगे दाम पर शराब बेची जा रही होगी तो ग्राहक दूसरे ठेके पर जाकर शराब खरीदेगा। अब जहां सस्ते दाम पर शराब मिलेगी, ग्राहक वहीं से खरीदेगा। नई शराब नीति में एमएसपी से बहुत ज्यादा मार्जिन पर शराब बेचने वाले ठेकेदारों को कार्रवाई के लिए भी चेताया है। अधिकारियों के अनुसार कुछ वर्ष पहले भी एमएसपी वाली नीति से शराब बिकती थी। अब दोबारा पुरानी नीति लागू कर दी है। नई नीति में ठेकेदारों को प्रतिमाह लेने वाले कोटे की शर्त भी हटा दी है। इससे कारोबारियों को राहत मिली है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार नए प्रावधान से इस साल करीब 2,800 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य रखा है।

रेट लिस्ट लगाना अनिवार्य

सरकार ने ठेकों पर सभी ब्रांड की रेट लिस्ट लगाना अनिवार्य कर दिया है। रेट लिस्ट पर ही संबंधित क्षेत्र के कर एवं आबकारी निरीक्षक का मोबाइल नंबर लिखना भी जरूरी होगा। ऐसा न करने वाले कारोबारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी व्यक्ति से शराब कारोबारी बहुत ज्यादा कीमत वसूलता है तो संबंधित अधिकारी को फोन पर इसकी शिकायत भी की जा सकती है। शिकायत मिलने पर कारोबारी के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

मुख्तार अंसारी की मौत के बाद बांदा जेल के कैदियों में खौफ!

-दाल-सब्जी छोड़ नमक से खा रहे रोटी

बांदा। यूपी के बाहुबली मुख्तार अंसारी की पिछले दिनों जेल में तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। हालांकि मुख्तार के परिजन की ओर से उन्हें जहर देकर मारे जाने का संगीन आरोप लगा गया है। इन्हीं संगीन आरोपों के चलते बांदा जेल में बंद कैदियों के दिल में डर पैदा कर दिया है। वह जेल में दाल सब्जी छोड़कर नमक से रोटी खा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पेशी पर आए कैदियों ने बताया कि जेल में सुबह और शाम पुलिस फ्लैग मार्च कर रही है। जेल के अंदर सख्ती बढ़ा दी गई है। एक-दूसरे से अधिक बात करने और बैरक के अंदर आवाजाही को लेकर नियम कड़े कर दिए गए हैं। जेल में सन्नाटा छाया हुआ है। हालांकि जेल अधिकारियों की तरफ से इन सभी बातों को खारिज किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बंदियों में मुख्तार की मौत के बाद से खौफ है। खाने में जहर देकर मारे जाने के आरोप के बाद से कई कैदी खाने से डर रहे हैं। सब्जी और दाल को छोड़कर कच्चे टमाटर में नमक डालकर रोटियां खा रहे हैं। कैदियों में इतना खौफ है कि कैदी ना तो हंस-बोल रहे हैं और ना ही टीवी पर कार्यक्रम देख रहे हैं।

भाजपा में गए पूर्व कांग्रेस विधायक शुक्ला को 140 करोड़ का नोटिस

इंदौर। हाल ही में कांग्रेस से भाजपा में गए पूर्व विधायक संजय शुक्ला को अवैध खनन के मामले में 140.63 करोड रुपए का नोटिस जारी किया गया है। इंदौर जिला प्रशासन द्वारा संजय शुक्ला और उनके भाई राजेंद्र शुक्ला सहित चार लोगों के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। इंदौर जिला प्रशासन के इतिहास में यह सबसे बड़ी 140.63 करोड़ रुपए की मांग है। अपर कलेक्टर गौरव बैनल ने जानकारी देते हुए बताया, बरौली में बड़े पैमाने पर अवैध खनन कर कर राजस्व की चोरी की गई है। खनिज विभाग द्वारा मौके पर जाकर जांच की गई। खनन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार 4 लाख 2 हजार 633 घन मीटर मुरम और 2 लाख घन मीटर से ज्यादा पत्थर निकला गया है। इसका राजस्व जमा नहीं किया गया। अवैध रूप से खनन करने के आरोप में यह मांग पत्र दिया गया है। पूर्व कांग्रेस विधायक पर जिस तरह की कार्रवाई जिला प्रशासन द्वारा की जा रही थी। उससे बचने के लिए उनका भाजपा मे प्रवेश हुआ है? इस तरह के आरोप कांग्रेस पार्टी ने लगाए हैं। जिला कलेक्टर के यहां जो कार्रवाई चल रही थी। वह अब सामने आई है।

कूनो से सटे राजस्थान के जंगल में आग, वन संपदा व जीवों को नुकसान

-500 लोगों की अलग-अलग टीमें जंगल में आग बुझाने उतरी

बारां,(ईएमएस)। मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान से सटे राजस्थान के शाहाबाद के जंगल में तीन दिनों से आग अपना तांडव मचा रही है लेकिन अभी तक उस पर काबू नहीं पाया जा सका है। जंगल में लगी आग से पेड़ पौधों के साथ पक्षियों और अन्य जीव जन्तुओं को नुकसान पहुचा है। वन विभाग की टीम रात-दिन आग बुझाने का प्रयास कर ही है। जानकारी के अनुसार, बारां जिले के शाहाबाद उपखंड में राजपुर, तेलनी माता और हीराखेह के जंगल में आग अपना विकराल रुप धारण कर चुकी है। यहां से मध्य प्रदेश की सीमा दो किलोमीटर दूर है और कूना राष्ट्रीय उद्यान लगा हुआ है। आग की सूचना मिलते ही कलेक्टर व एसपी व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और जंगल में लगी आग मुआयना किया। वन विभाग के कर्मचारी खांखरा ओर पलाश की टहनियों से हाथ से आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। पठारी व पहाड़ी क्षेत्र में आग लगी होने से दमकल की गाड़िया भी वहां नहीं पहुंच पा रही है। आग से मधुमक्खियों के छत्तों को भी नुकसान हुआ है। वन टीम दिन रात आग बुझाने की कोशिश में जुटी हुई है। कूनो नेशनल पार्क से जंगल सटा होने के कारण आग की सूचना मिलते ही जिलेभर के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। वहीं बारां उपवन संरक्षक ने भयावह आग को देखते हुए कूनो नेशनल पार्क के अधिकारियों से एहतियात बरतने को कहा है। करीब 85 कर्मचारियों की टीमें जंगल में आग बुझाने में जुटी हैं।

'जनता मोये-मोये कर देगी', अलग अंदाज में राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर कसा तंज, बज उठीं तालियां

कोलकाता (एजेंसी)। विपक्षी इंडिया ब्लॉक पर कटाक्ष करते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह गठबंधन लोकसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का सामना नहीं कर सकता क्योंकि 'देश की जनता मोये-मोये कर देगी।' राजनाथ के इतना कहते ही तालियां बज उठीं। गाजियाबाद में सात चरण के आम चुनावों के लिए मौजूदा विधायक और भाजपा उम्मीदवार अतुल गर्ग के पक्ष में प्रचार करते हुए रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि विपक्षी गुट 2024 के लोकसभा चुनावों में एनडीए का मुकाबला करने के लिए संघर्ष करेगा। उन्होंने कहा कि गाज़ियाबाद से मेरा बहुत आत्मीय रिश्ता है। यह वही क्षेत्र है, जिसने पहली बार मुझे चुनकर, लोक सभा में अपना प्रतिनिधित्व करने का काम किया था। गाज़ियाबाद आना मेरे लिए कोई घटना नहीं है।

राजनाथ ने कहा कि पिछले दस वर्षों से वीके सिंह जी यहाँ पर आप लोगों के प्रतिनिधि के रूप में काम करे थे। उन्होंने बहुत सुंदर काम किया और केंद्रीय मंत्री के रूप में भी उन्होंने अच्छा काम किया है। इस बार पार्टी ने अतुल गर्ग को प्रत्याशी बनाया है। वे भी काफ़ी अनुभवी व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा से लड़ने और उसे हराने के लिए कई विपक्षी दल एक साथ आए। हालाँकि, आप सभी देख सकते हैं कि यह कुछ स्वार्थी विपक्षी नेताओं की सुविधा का गठबंधन है। हालाँकि, वे एकजुट होकर भी एनडीए का सामना नहीं कर सकते। 'इस देश की जनता इसका भी मोये मोये कर देगी।' वायरल 'मोये मोये' ट्रेंड एक सर्बियाई गाने से शुरू हुआ, जिसने टिकटॉक पर बड़े पैमाने पर लोकप्रियता हासिल की और बाद में विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फैल गया। हिट गाना 'मोये मोर', आधिकारिक तौर पर सर्बियाई गायक-गीतकार तेया डोरा द्वारा 'डेज़नम' के नाम से जारी किया गया था।

उन्होंने कहा कि हमने देश में नागरिकता कानून को लागू किया है। इस कानून के माध्यम से किसी भी भारतीय नागरिक की नागरिकता नहीं जाने वाली। यह कानून नागरिकता लेने का नहीं बल्कि नागरिकता देने का कानून है। भाजपा नेता ने कहा कि भारत में जितने भी धर्मावलम्बी हैं हम सबका सम्मान करते हैं। हमने तीन तलाक़ की कुप्रथा को समाप्त किया है क्योंकि हम सभी की माँ और बहनों का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि दिल की बीमारी में पहले बड़ा महँगा इलाज होता था। जो स्टंट पहले एक लाख रुपये में आता था आज साढ़े सात हज़ार में आ रहा है। आज देश में बड़ी संख्या में जन औषधि केंद्र खोले गये हैं जहां ग़रीबों को सस्ती दरों पर दवाइयाँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ करवाई हो रही है। कुछ मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में जाना पड़ा है। मगर बहुत से विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं। क्या भ्रष्टाचार पर कारवाई नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत का रक्षा निर्यात लगातार बढ़ रहा है।आज बड़े बड़े उपकरण भारत से निर्यात हो रहे हैं। दस साल पहले भारत से सिर्फ़ 600करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात होता था। आज यह आँकड़ा 21000 करोड़ रुपये को पार कर कर गया है। एक समय ऐसा था जब भारत का विदेशी मुद्रा भंडार ख़ाली हो गया था। आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड 642 बिलियन डालर के स्तर पर है।

भाजपा नेता ने कहा कि साल 2014 में भारत दुनिया में 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था था। आज भारत 5वें नंबर पर पहुंच गया है। साल 2027 आते आते भारत तीसरे नम्बर होगा। हमारे प्रधानमंत्री 2047 तक भारत को दुनिया की नंबर वन अर्थव्यवस्था बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सारी दुनिया के राष्ट्राध्यक्ष मानते हैं कि इक्कीसवीं शताब्दी भारत को शताब्दी बनने जा रही है। कोरोना के दौरान हमारे देश के वैज्ञानिकों ने इतनी संख्या में वैक्सीन बनाई कि भारतवासियों के साथ साथ दुनिया के सौ से अधिक देशों को वैक्सीन निर्यात भी की गई।

कांग्रेस को आयकर के नोटिस पर हुई सुनवाई में कोई मुस्कुराया तो किसी ने कहा, मैं निशब्द हूं

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के दौरान आयकर विभाग की ओर से कर की बकाया राशि चुकाने को लेकर नोटिस जारी किया गया था। एसजी तुषार मेहता के रुख पर अभिषेक मनु सिंघवी ने भी चौंकाने वाला व्यवहार दिखाया। इस पर मामले की सुनवाई कर रही जस्टिस नागरत्ना की पीठ ने कहा कि आपको (कांग्रेस) किसी के बारे में हमेशा ही नकारात्मक ही नहीं सोचना चाहिए। जस्टिस नागरत्ना ने मुस्कुराते हुए यह बात कही। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से जारी नोटिस पर अभिषेक मनु सिंघवी ने इससे पहले कहा था कि कांग्रेस एक राजनीतिक दल है, कोई लाभ कमाने वाला संगठन नहीं। सुनवाई शुरू हुई और दोनों पक्षों की ओर से दलीलें पेश की जाने लगीं। इस बीच, तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि लोकसभा चुनाव संपन्न होने तक कांग्रेस पार्टी पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की जाएगी। मतलब इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से बकाए कर की वसूली के लिए जबरिया कार्रवाई नहीं की जाएगी। आयकर विभाग का यह रुख चौंकाने वाला था। इस पर अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि वह इनकम टैक्स विभाग के रुख से निशब्द हो गए हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना की पीठ को संबोधित करते हुए अभिषेक मनु सिंघवी ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के रुख पर आश्चर्य भी व्यक्त किया। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'मैं निशब्द हो गया हूंज्मेरे साथ ऐसा काफी कम बार होता है।' बकाए टैक्स की राशि इतनी ज?यादा है कि कांग्रेस पार्टी की कुल संपत्ति भी उतनी नहीं है। ऐसे में कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट पहुंची, ताकि नोटिस के अमल पर चुनाव तक रोक लगाई जा सके। इस दौरान आयकर विभाग की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए, जबकि कांग्रेस की तरफ से वरिष्?ठ अधिवक?ता अभिषेक मनु सिंघवी अपना पक्ष रखने के लिए उपस्थित हुए। मामले की सुनवाई जस्टिस बीवी नागरत?ना की अदालत में हुई।कांग्रेस को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने नया नोटिस दिया। इसमें 2014 से 2017 के लिए 1745 करोड़ रुपए के टैक्स की डिमांड की गई है। इस नए नोटिस के साथ कांग्रेस पर टैक्स डिमांड बढ़कर 3567 करोड़ रुपए हो गई है।

आतंकवाद पर 'दोहरे मानदंड' अपनाने से बचने की जरूरत, सुरक्षा परिषदों के सचिवों की बैठक में बोले अजीत डोभाल

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने बुधवार को कजाखस्तान के अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एनएसए की बैठक में भाग लिया, इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत सदस्य देशों के साथ कई सदियों पुराने संबंधों को और गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। डोभाल ने कहा कि नई दिल्ली पारगमन व्यापार और कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है जो एससीओ सदस्य देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का पूरी तरह से सम्मान करना चाहिए। एनएसए ने 22 मार्च को मॉस्को के क्रोकस सिटी हॉल में हुए आतंकी हमले की निंदा की, जिसमें 140 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी. उन्होंने अपने रूसी समकक्ष निकोलाई पेत्रुशेव को सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए रूसी संघ की सरकार और लोगों के साथ भारत की एकजुटता से अवगत कराया।

सीमा पार आतंकवाद सहित आतंक का कोई भी कृत्य, किसी के भी द्वारा, कहीं भी और किसी भी उद्देश्य से किया गया हो, उचित नहीं है। डोभाल ने बैठक में कहा, आतंकवाद के अपराधियों से प्रभावी ढंग से और शीघ्रता से निपटा जाना चाहिए, जिसमें सीमा पार आतंकवाद में शामिल लोग भी शामिल हैं। उन्होंने %दोहरे मानकों% से बचने और उन लोगों को जवाबदेह ठहराने की जरूरत पर भी जोर दिया जो आतंकवाद के प्रायोजक, वित्तपोषक और मददगार हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल ने एससीओ क्षेत्र में विभिन्न आतंकवादी समूहों द्वारा जारी खतरे का मुद्दा भी उठाया, जिसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा नामित आतंकवादी समूह, अल कायदा और उसके सहयोगी, आईएसआईएस और सहयोगी संगठनों के साथ-साथ पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा भी शामिल हैं। बैठक के दौरान डोभाल ने आतंकवादियों द्वारा सीमा पार से हथियारों और नशीली दवाओं की तस्करी के लिए ड्रोन सहित प्रौद्योगिकी के उपयोग का मुकाबला करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

महाराष्ट्र में लगेगा पवार को झटका, एकनाथ खडसे की बीजेपी में वापिसी तय

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के कट्टर प्रतिद्वंद्वी एकनाथ खडसे (71) बीजेपी में लौट सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एससी) के प्रमुख शरद पवार को एक और बड़ा झटका लगेगा। सूत्रों के अनुसार खडसे जल्द ही बीजेपी में वापसी करने वाले है। इसकी तैयारी हो गई है। बीजेपी ने महाराष्ट्र की रावेर सीट से खडसे की बहू रक्षा खडसे को फिर से टिकट दिया है। वे 2014 में पहली बार बीजेपी के टिकट पर जीती थीं। इसके बाद 2019 में दुबारा चुनी गई थीं। अगर रक्षा खडसे रावेर से फिर चुनीं जाती हैं, तब यह उनकी हैट्रिक होगी। रक्षा एकनाथ खडसे के दिवंगत बेटे निखिल की पत्नी हैं। एकनाथ खडसे ने अपनी राजनीति की शुरुआत बीजेपी से की थी लेकिन फडणवीस के साथ अपने मतभेदों और भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग के आरोपों का सामना करने के बाद खडसे ने 3 जून, 2016 को कैबिनेट छोड़ दिया था। इसके बाद वे एनसीपी में आ गए थे, लेकिन उनकी बहू रक्षा खडसे बीजेपी में बनी रही थीं। पिछले दिनों खडसे ने एनसीपी (शरदचंद्र पवार) की ओर से रावेर सीट से लड़ने से मना कर दिया था। खडसे ने ऐलान तब किया था जब पार्टी की ओर से उन्हें उनकी बहू के खिलाफ उतारने की तैयारी हो रही थी। बीजेपी में लौटने को लेकर खडसे ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने घरवापसी की न पुष्टि की और न ही इंकार किया है। बीजेपी के एक नेता के अनुसार महाराष्ट्र में बीजेपी को खड़ा करने में खडसे का योगदान रहा है और उनका वापस स्वागत किया जाएगा। पार्टी नेतृत्व में खडसे के मामले को सुलझा लिया है जल्द ही उनकी पार्टी में वापसी होगी। वर्तमान में खडसे महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य हैं। वे इससे पहले कई बार महाराष्ट्र के मंत्री और नेता विपक्ष भी रह चुके हैं।

पाकिस्तान से ड्रोन के द्वारा गोला-बारूद और पैसों को रिसीव करने वाले नेटवर्क का पर्दाफाश

-3 लोगों को गिरफ्तार किया

जम्मू (एजेंसी)। पाकिस्तान से ड्रोन की मदद से गोला-बारूद और पैसों को रिसीव करने वाले नेटवर्क का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पिछले 48 घंटों की कार्रवाई में पुलिस ने सात लोगों की पहचान कर 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें कुख्यात आतंकी तालिब शाह की पत्नी गुलशन नाज भी शामिल है। इनके पास से लाखों रुपये की नकदी बरामद की गई है। ड्रोन से सामान भेजने और इस रिसीव करने का नेटवर्क तैयार करने वाला रियासी का रहने वाला मोहम्मद कासिम उर्फ सुलेमान है, जो वर्तमान में पाकिस्तान में रहता है। मोहम्मद कासिम को कुख्यात आतंकी घोषित करते हुए इसके ऊपर पुलिस ने 10 लाख रुपये का इनाम घोषित किया है। डीजीपी आरआर स्वैन ने बताया कि सीआईडी और जम्मू पुलिस ने पुख्ता साक्ष्य जुटाकर पिछले 48 घंटों में राजौरी में 10 ठिकानों पर दबिश दी। इस कार्रवाई में सात लोगों की पहचान कर इनमें से तीन को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार लोगों में कोटरंका की रहने वाली गुलशन नाज, इम्तियाज अहमद और राजौरी के बुद्धल का रहने वाला आबिद शाह शामिल है। ये तीनों मोहम्मद कासिम के कहने पर काम कर रहे थे। इलेक्ट्रानिक तंत्र के माध्यम से पता चला कि यह लोग कासिम द्वारा ड्रोन के द्वारा भेजे जाने वाले पैसे, गोला बारूद और हथियारों को रिसीव करते थे। इसके बाद पैसों को आतंकी गतिविधियां और नशा तस्करी में इस्तेमाल करने के लिए अपने साथ जोड़े जाने वाले लोगों के बीच बांट देते थे। बता दें कि राजौरी के दराज का रहने वाला तालिब हुसैन शाह जुलाई 2022 में गिरफ्तार हुआ था। तालिब आतंकी संगठन लश्कर के लिए काम करता था। इसने राजौरी जिले में पांच आतंकी हमले किए। कश्मीर से आतंकियों के दो दलों को अपने घर पनाह दी। इसके पास से बड़े स्तर पर गोला बारूद बरामद किया गया। इस समय तालिब जेल में बंद है। लेकिन पता चला है कि वह जेल में रहकर भी नेटवर्क चला रहा है। तालिब ने अपनी पत्नी गुलशन को तैयार किया। पिछले एक वर्ष से गुलशन नाज पाकिस्तान से आने वाले ड्रोन के जरिए पैसा रिसीव कर रही थी। डीजीपी स्वैन का कहना है कि कासिम के नेटवर्क में दो तरह के लोग हैं। एक जो सीधे तौर पर सामान लेते हैं।

जौनपुरः प्रजापति समाज ने मनाया होली मिलन समारोह

सुरत भुमि, रिपोर्टरः राजेश मौर्या, जौनपुर। नगर के रशीदाबाद में चक्रदूत प्रजापति समाज द्वारा होली मिलन समारोह में एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाया गया। जिसमे मुख्य अतिथि सिविल कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रजापति विकलेश कुमार ने शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि समाज के लोग अपने बच्चों को शिक्षित करें तभी हमारे समाज का विकास होगा। विशिष्ट अतिथि डा. प्रशांत कुमार प्रजापति, वरिष्ठ अधिवक्ता सुधाकर प्रजापति, प्रधानाध्यापक राजेंद्र प्रजापति, शिक्षक जिलाजीत प्रजापति, शिवशंकर प्रजापति ने कहा आज हमारा समाज राजनीति और शिक्षा की तरफ तेजी से आगे बढ़ने लगा है जिससे लगने लगा है की आने वाला समय प्रजापति समाज का ही होगा।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहन लाल प्रजापति ने कहा कि वह दिन दूर नही जब प्रजापति समाज के लोग ऊंचे पदों पर विराजमान होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जौनपुर तहसील सदर के नाजिर सदानंद प्रजापति व संचालन उपाध्यक्ष सन्तोष प्रजापति ने किया।

अन्त में संस्थापक महेन्द्र प्रजापति एवं जिलाध्यक्ष सभासद बसन्त प्रजापति उर्फ अनिल ने आए हुए सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर संरक्षक चन्द्रशेखर प्रजापति, संरक्षक मुन्नालाल प्रजापति, संरक्षक बिपतराम प्रजापति, भागीदारी पार्टी पी नेता जियालाल प्रजापति, भारतीय समता समाज पार्टी नेता डा संजीव प्रजापति, सभासद शिवकुमार मौर्य, संजय प्रजापति, जितेन्द्र प्रजापति, मीडिया प्रभारी आनन्द प्रजापति, काशीनाथ प्रजापति, रीता प्रजापति, सावन प्रजापति, अभिमन्यु प्रजापति, पत्रकार चन्दन प्रजापति महाकाल आदि उपस्थित रहें।

केजरीवाल मामले में ईडी ने वकील ने कहा, अंधेरे में तीर नहीं चला रहे.....हमारे पास पर्याप्त सबूत

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। बुधवार को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की अदालत में सुनवाई चल रही है। जहां केजरीवाल की ओर से सीनियर वकील अभिषेक मनु सिंघवी और वकील विक्रम चौधरी मौजूद हैं। ईडी की ओर से एएसजी एसवी राजू ने पैरवी की। सिंघवी ने कहा, केजरीवाल की गिरफ्तारी से यह निश्चित हो गया है कि वे लोकतांत्रिक गतिविधियों में नहीं शामिल हो पाएंगे। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि पहला समन अक्टूबर 2023 को भेजा गया और गिरफ्तारी 21 मार्च को हुई। इस पूरे प्रकरण से दुर्भावना की बू आती है और इससे हमारा मूलभूत ढांचे को नुकसान हो रहा है। मैं यहां राजनीतिक की नहीं, बल्कि कानून की बात कर रहा हूं। केजरीवाल की गिरफ्तारी की टाइमिंग इशारा करती है कि यह असंवैधानिक है। इस पर ईडी के वकील एएसजी राजू ने कहा, मान लीजिए कोई चुनाव से 2 दिन पहले मर्डर कर देता है, तब क्या गिरफ्तार नहीं किया जाएगा? क्या उसकी गिरफ्तारी मूलभूत ढांचे को नुकसान पहुंचाएगी। आप मर्डर करे और कहे कि मुझे गिरफ्तार नहीं किया जा सकता, क्योंकि इससे मूलभूत ढांचे को नुकसान होगा। अदालत में सुनवाई के दौरान एजीएस राजू ने कहा कि अपराधी और आरोपी यह नहीं कह सकते कि हम गुनाह करेंगे और हमें इसकारण गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, क्योंकि चुनाव हैं। ये हास्यास्पद है। इससे अपराधियों को खुलेआम घूमने का लाइसेंस मिल जाएगा। हम अंधेरे में तीर नहीं चला रहे। हमारे पास वॉट्सएप चैट, हवाला ऑपरेटर्स के बयान और इनकम टैक्स का डेटा भी है।

देश में पिछले 6 साल में 9,92,535 लोगों ने की आत्महत्या, क्या यही है अमृतकाल? : कांग्रेस

- पिछले तीन वर्षों में गुजरात में 495 छात्रों सहित 25,478 लोगों ने आत्महत्या की

- हर दो घंटे में तीन बेरोजगार और हर 25 मिनट में एक गृहिणी आत्महत्या करती है

अहमदाबाद (एजेंसी)। अच्छे दिन, किसानों की आय दोगुनी, हर साल दो करोड़ नौकरियां, महंगाई की मार से मुक्ति के वादों के विपरीत, देश के परिवार भाजपा की नीति का शिकार बन रहे हैं। गुजरात समेत देश में लगातार बढ़ते युवक, किसान, महिला और छोटे व्यापारियों की आत्महत्या की घटनाएं क्या यही है 'अमृतकाल'? यह सवाल गुजरात कांग्रेस ने किया है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के मीडिया संयोजक और प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि यह चिंताजनक है कि देश में दिहाड़ी मजदूर, महिलाएं, किसान, खेत मजदूर, छात्र, व्यापारी, परिवार के सदस्यों सहित सेवानिवृत्त लोग आत्महत्या कर रहे हैं। 2017 से 2022 तक लगातार छह वर्षों से आत्महत्याओं की संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ रही है। पिछले 6 सालों में देश में 9,92,535 लोगों ने आत्महत्या की7 देश में हर दिन औसतन 407 से ज्यादा लोग आत्महत्या कर रहे हैं और इसमें आत्महत्या करने वाला हर चौथा व्यक्ति दिहाड़ी मजदूर है। हर दो घंटे में तीन बेरोजगार लोग आत्महत्या करते हैं और हर पच्चीस मिनट में एक गृहिणी आत्महत्या करती है। आर्थिक संकट, बेरोजगारी, गंभीर शारीरिक समस्याएँ, पारिवारिक समस्याएँ आदि के कारण आत्महत्याएँ बढ़ रही हैं। पिछले तीन वर्षों में गुजरात में 495 छात्रों सहित 25,478 लोगों ने आत्महत्या की। गुजरात में तीन साल में 6879 छात्रों की जान गई। राज्य में छात्र आत्महत्याओं में 21 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है7 गुजरात के प्रमुख शहरों जैसे अहमदाबाद में 3280, सूरत में 2862, राजकोट में 1287 आत्महत्याएं चिंताजनक हैं। भाजपा सरकार जरूरतमंद लोगों को रोजगार, आर्थिक सहायता, मानसिक स्वास्थ्य उपलब्ध कराने में विफल रही है। साल 2022 में 1,64,033 लोगों ने आत्महत्या की7 जिनमें से 12,055 व्यापारियों, 8176 स्व-रोज़गार वाले लोगों, कुल 20,231 लोगों ने आत्महत्या की। वर्ष 2022 में 1,64,033 लोगों ने आत्महत्या की, जिनमें 12,055 व्यापारी, 8,176 स्वरोजगार वाले, कुल 20,231 लोग शामिल थे। देश में पिछले छह वर्षों के अनुसार, 2017 में 1,29,887, 2018 में 1,34,516, 2019 में 1,39,123, 2020 में 1,53,052, 2021 में 1,64,033, 2022 में 1,71, 924 लोग और एक देश में कुल 9,92,535 लोगों ने आत्महत्या की, जो देश के लिए बेहद गंभीर मामला है। अहंकारी भाजपा शासक जनता के लिए कब सोचेंगे?

खुलकर दाढ़ी बढ़ा सकेंगे अब ब्रिटिश आर्मी के जवान, फ्रेंच कट, या अन्य लुक वाली कोई दाढ़ी रखने की अनुमति नहीं

लंदन । ब्रिटिश आर्मी में तो पिछले 100 सालों से ये नियम था कि सैनिक दाढ़ी नहीं बढ़ा सकते, पर अब इस नियम को खत्म कर दिया गया है। वो खुलकर दाढ़ी बढ़ा सकते हैं पर उन्हें एक शर्त माननी पड़ेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रिटिश आर्मी में काम करने वाले सैनिक और अधिकारी अब दाढ़ी रख पाएंगे। पिछले 100 सालों से दाढ़ी पर जो बैन लगा था, उसे हटा दिया गया है। इस नियम में बदलाव को किंग चार्ल्स से मंजूरी मिलना जरूरी है, जो ब्रिटिश आर्मी के कमांडर-इन-चीफ हैं। एक तरफ ये वहां के सेना के जवानों के लिए खुशखबरी हो सकती है, पर उन्हें एक शर्त को भी मानना होगा। नियम ये बनाए गए हैं कि सैनिक दाढ़ी तो बढ़ा सकते हैं, मगर उन्हें पूरी दाढ़ी रखनी होगी। फ्रेंच कट, या अन्य लुक वाली कोई दाढ़ी रखने की अनुमति नहीं है। इसके अलावा वो अपनी दाढ़ी को अलग-अलग रंगों से रंग नहीं सकेंगे, ना ही वो पैच में दाढ़ी रख पाएंगे। उन्हें दाढ़ी को हमेशा साफ-सुथरा रखना पड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार उनकी दाढ़ी का हमेशा रिव्यू होता रहेगा जिससे दाढ़ी से जुड़े नियमों को लागू करवाया जा सके। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक माना जा रहा है कि ये बैन इस वजह से हटाया गया है जिससे आजकल के युवाओं को आर्मी की ओर आकर्षित किया जा सके और वो भी बढ़चढ़कर देश की सुरक्षा में योगदान दें। नियम से जुड़ी ये जानकारी वॉरेंट ऑफिसर क्लास-1, पॉल कार्नी द्वारा जारी किए गए 4 मिनट लंबे वीडियो में दी गई थी। आपको बता दें कि ब्रिटेन की रॉयल एयरफोर्स में साल 2019 से ही सैनिकों को दाढ़ी बढ़ाने की इजाजत दे दी गई थी। जबकि रॉयल नेवी में भी ये अनुमति सालों पहले दे दी गई थी। आपने फिल्मों में देखा होगा कि सैनिक जंग के मैदान में बढ़ी दाढ़ी और लहराते हुए बालों के साथ मिशन को अंजाम देते हैं और दुश्मनों को मौत के घाट उतारते हैं। पर वास्तव में कई देशों में सैनिकों को दाढ़ी और बाल बढ़ाने की इजाजत ही नहीं होती है। इंडियन आर्मी में भी ये नियम हैं।

भूंकप के संकट से घिरा ताइवान, चीन ने इस मौके पर भी की ओछी हरकत

ताइपे । ताइवान में 25 साल का सबसे ताकतवर भूकंप आया है। 7.4 की तीव्रता वाले भूकंप ने तबाही मचा दी है। लेकिन इस दौरान भी चीन अपनी घुसपैठ वाली मानसिकता से बाहर नहीं आया। ताइवान के मुताबिक भूकंप के बाद 30 से ज्यादा चीनी युद्धक विमान और 9 नौसेना के जहाजों ने कथित तौर पर घुसपैठ की। 24 घंटे की अवधि में द्वीप के करीब इतने विमान इस साल के सबसे ज्यादा हैं। चीन ताइवान को अपना क्षेत्र बताता है। चीन कहता रहा है कि वह ताइवान को अपने नियंत्रण में ले लेगा। भले ही इसके लिए बल प्रयोग क्यों न करना पड़े। ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि 20 विमान ने द्वीप के एयरडिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन को पार किया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने लिखा, बुधवार सुबह 6 बजे तक ताइवान के आसपास चीनी सेना के 30 विमान और नेवी के 9 जहाजों का पता लगाया गया। 20 विमान ताइवान की उत्तरी, मध्य रेखा में प्रवेश कर गए। ताइवान सैन्य बल ने स्थिति की निगरानी की और जवाब देने के लिए उचित बल तैनात किया। चीन ने अभी तक ताइवान के दावे का जवाब नहीं दिया है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने कथित तौर पर ताइवान के पास जहाजों के वीडियो पोस्ट किए हैं। इसके एक दिन पहले ताइवान ने अपनी सीमा के करीब चीन की एक सैटेलाइट लांच का भी पता लगाया था। पिछले माह ताइवान ने द्वीप के करीब 36 चीनी युद्ध विमानों का पता लगाया था। यह इस साल विमानों की सबसे ज्यादा संख्या है। घुसपैठ में बढ़ोतरी को एक्सपर्ट्स ग्रे जोन कार्रवाई कहते हैं। यह ऐसी चालें हैं जो पूर्ण युद्ध से कम होती हैं।

पाकिस्तान में न्यायाधीशों को धमकी भरे पत्र मिले,उन्हे खोला तो आंखो में हुई तेज जलन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के आठ न्यायाधीशों को भेजे गए पत्र उनके लिए मुसीबत बन गए। जैसे ही उनके कर्मचारियों ने पढ़ने के लिए लेटर खोला तो आंखों में तेज जलन शुरु हो गई। इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आमेर फारूक समेत आठ न्यायाधीशों को संदिग्ध पदार्थ से युक्त धमकी भरे पत्र ने पाकिस्तानी न्यायपालिका की सुरक्षा के संबंध में चिंता बढ़ा दी है। न्यायाधीशों को धमकी भरे पत्र मिलने की पुष्टि करते हुए हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश फारूक ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि इस घटना के कारण दिन की सुनवाई में देरी हुई। सूत्रों के हवाले से बताया है कि जब दो न्यायाधीशों के कर्मचारियों ने पत्र खोले तो उन्हें अंदर पाउडर मिला और बाद में उन्हें आंखों में जलन का अनुभव हुआ। उन्होंने तत्काल ही सैनिटाइजर का उपयोग किया और अपने हाथ धोए। पत्र मिलने की जानकारी के बाद इस्लामाबाद पुलिस के विशेषज्ञों की एक टीम तुरंत हाईकोर्ट पहुंची। आगे की जांच के लिए पत्रों को आतंकवाद विरोधी विभाग (सीटीडी) को सौंप दिया गया है।वहीं, पाक?स्?तान के सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देश की इंटेलीजेंस एजेंसी (आईएसआई) द्वारा न्?यायि?क मामलों में हस्?तक्षेप के आरोपों को संबोधि?त करने के लिए हामी भर दी। हाईकोर्ट के छह जजों ने पत्र लिखकर इंटेलीजेंस एजेंसी पर यह आरोप लगाया है, जो कि देश के भीतर नागरिक-सैन्य गतिशीलता के लिहाज से एक महत्?वपूर्ण क्षण है। दरअसल, 26 मार्च को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के छह न्यायाधीशों ने सर्वोच्च न्यायिक परिषद (एसजेसी) को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने पाकिस्तानी सेना की प्रमुख खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) द्वारा न्यायिक मामलों में हस्तक्षेप को लेकर चिंता व्यक्त की। उनके इस कदम ने कानूनी कार्यवाही पर सेना के प्रभाव को लेकर न्यायपालिका के भीतर की बेचैनी को उजागर कर दिया है। इस पत्र पर छह न्यायाधीशों न्यायमूर्ति मोहसिन अख्तर कयानी, न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी, न्यायमूर्ति बाबर सत्तार, न्यायमूर्ति सरदार इजाज इशाक खान, न्यायमूर्ति अरबाब मुहम्मद ताह ने हस्ताक्षर किए थे।

कबूतरों को खिलाया दाना तो ठोका 2.5 लाख का जुर्माना

-नपा ने घर से बाहर निकालने की चेतावनी भी दी

नईदिल्ली । 97 साल की एक बुजुर्ग महिला ने अपने आंगन में कबूतरों को दाना खिलाया, नगर पालिका ने इसकी शिकायत पर 2.5 लाख का जुर्माना ठोक दिया। इस मामले की किसी ने नगर पालिका में शिकायत कर दी। वहां से नोटिस आ गया। पहले तो चेताया गया, लेकिन जब महिला ने नजरअंदाज किया तो 2.5 लाख रुपये का जुर्माना ठोंक दिया गया। इस मामले में चेतावनी भी दी गई कि अगर आगे से ऐसा हुआ तो उसे और उसके बेटे को उसके अपने ही घर से बाहर निकाल दिया जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 97 वर्षीय ऐनी सेगो वर्षों तक संगीत शिक्षिका रहीं। उन्हें पक्षियों से बेहद लगाव है। यहां तक कि उन्होंने कुछ पक्षियों को अपने घर में भी पाल रखा है। लेकिन बीते कई महीनों से उनके आंगन में गौरेया और कबूतर आने लगे थे। ऐनी को उन्हें दाना खिलाना काफी अच्छा लगता था। वे रोज सुबह दाना लेकर बैठ जातीं और कबूतरों को बुलाकर उन?हें दाना खिलातीं। इसकी वजह से कई पक्षी वहां आने लगे। यही बात पड़ोस में रहने वाले किसी शख्स को खटक गई। उसने नगर पालिका में शिकायत कर दी।शख्स ने दावा किया कि दाना बांटने की वजह से क्षेत्र में तमाम कबूतर और सीगल आ रहे हैं, जिनसे पूरे इलाके में गंदगी फैल रही है। फिर क्या था। काउंलिस ने महिला को नोटिस भेज दिया। नोटिस में कहा, अगर आपने यह असामाजिक व्यवहार बंद नहीं किया तो 10000 रुपये जुर्माना भरना होगा। जब महिला ने इस पर ध्यान नहीं दिया, तो काउंसिल ने जुर्माना बढ़ाकर 2,500 पाउंड यानी 2.5 लाख रुपये कर दिया। इसके बाद भी काउंसिल ने महिला के 77 वर्षीय बेटे एलन को नोटिस भेजा। लिखा, अगर आप अपनी मां को नहीं समझा पाए तो दोनों को घर से बाहर कर दिया जाएगा। कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी दरअसल, इंग्लैंड, थाइलैंड, कोलंबिया, कनाडा, अमेरिका समेत कई देशों में कबूतरों को दाना खिलाना अपराध की श्रेणी में आता है। वेनिस में तो इसे लेकर काफी सख्त कारनून है। ऐसा माना जाता है कि कबूतरों के आने से इलाकों में गंदगी होगी, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा है। इससे स्वच्छता पर भी असर होता है।

कांगो में राष्ट्रपति फैलिक्स तैसीकेदी ने देश की नयी प्रधानमंत्री जूडिथ तुलूका से मुलाकात की।

उ. कोरिया ने हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने मध्यवर्ती दूरी की हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर कोरिया ने नव-विकसित हाइपरसोनिक और ग्लाइडिंग वारहेड से भरी हुई मध्यवर्ती दूरी की ठोस ईंधन वाली बैलिस्टिक मिसाइल (जिसे ह्वासोंगफो-16बी कहा जाता है) का मंगलवार को प्रक्षेपण किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि मिसाइल को प्योंगयांग के बाहरी इलाके में सेना की एक इकाई के प्रशिक्षण क्षेत्र में उत्तर-पूर्व की ओर प्रक्षेपित किया गया। कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्वी पानी में सटीक तरीके से गिरने से पहले मिसाइल से अलग होने के बाद हाइपरसोनिक ग्लाइडिंग वॉरहेड तय समय के अनुसार एक हजार किलोमीटर लंबी उड़ान भरी और 101.1 किलोमीटर की ऊंचाई पर अपने पहले शिखर और 72.3 किलोमीटर की ऊंचाई पर दूसरे शिखर पर पहुंच गया। बताया गया है कि इस परीक्षण से पड़ोसी देशों की सुरक्षा पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने मिसाइल को देश के रक्षा विज्ञान और प्रौद्योगिकी को प्रदर्शित करने वाला एक और शक्तिशाली रणनीतिक आक्रामक हथियार बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश के लिए सबसे जरुरी काम दुश्मनों को रोकने और नियंत्रित करने में सक्षम जबरदस्त शक्ति विकसित करना है। उन्होंने जोर दिया कि रक्षा विज्ञान क्षेत्र को अपनी क्षमता में लगातार सुधार के लिए अपने प्रयासों को आगे बढ़ाना चाहिए।

हम चुपचाप नहीं बैठेंगे...बाइडेन ने जिनपिंग को लगाया फोन, हुई तीखी बहस, किस बात पर भड़के चीनी राष्ट्रपति

वाशिंगटन (एजेंसी)। प्रौद्योगिकी और ताइवान पर अमेरिकी व्यापार प्रतिबंधों के बारे में राष्ट्रपति जो बाइडेन और शी जिनपिंग के बीच टेलीफोन कॉल पर तीखी बहस हो गई। दोनों देश अपने तनाव को कम करने की कोशिश कर रहे थे। लगभग दो घंटे की टेलीफोन बातचीत नवंबर में कैलिफ़ोर्निया में शिखर सम्मेलन के बाद दोनों नेताओं की पहली सीधी बातचीत है, जिसमें दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच दीर्घकालिक प्रतिद्वंद्विता नहीं तो, स्वर में एक स्पष्ट सॉफ्टनेस देखने को मिली। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस बात पर जोर दिया कि ताइवान का प्रश्न पहली लाल रेखा है जिसे चीन-अमेरिका संबंधों में पार नहीं किया जाना चाहिए। बाइडेन और जिनपिंग के बीच बातचीत ऐसे

वक्त में हुई जब दो शीर्ष अमेरिकी अधिकारी बीजिंग जा की यात्रा पर जा रहे हैं।

अधिकारियों ने कहा कि ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन बुधवार को रवाना होंगी और आने वाले हफ्तों में चीन के सचिव एंटनी ब्लिंकन के साथ चीन की विनिर्माण शक्ति के प्रतीक दक्षिणी शहर गुआंगज़ौ और बीजिंग दोनों का दौरा करेंगी। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कॉल के बाद संवाददाताओं से कहा कि हमारा मानना है कि इस जटिल और अक्सर तनावपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए नेता स्तर पर नियमित संचार का कोई विकल्प नहीं है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि बातचीत का उद्देश्य मतभेदों को सुलझाना नहीं, बल्कि मतभेदों को दूर करना था और दोनों नेता तीखी असहमतियों के बारे में खुलकर बात कर रहे थे।

शी ने संयुक्त राज्य अमेरिका पर चीन को उच्च तकनीक निर्यात पर बाइडेन के व्यापक प्रतिबंध के माध्यम से आर्थिक चुनौतियां पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने अमेरिकी पक्ष से राष्ट्रपति बाइडेन की ÷ताइवान की स्वतंत्रता÷ का समर्थन न करने की प्रतिबद्धता को ठोस कार्रवाई में बदलने का आग्रह किया। चीनी राज्य मीडिया के अनुसार, शी ने चेतावनी दी, अगर संयुक्त राज्य अमेरिका चीन के उच्च तकनीक विकास को दबाने और चीन को विकास के वैध अधिकार से वंचित करने पर जोर देता है, तो हम चुपचाप नहीं बैठेंगे।

सख्त कानून बनाया जाए, हत्या करने वालों को मिले सजा-ए-मौत

- अमेरिकी जासूस की हत्या को लेकर पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा-

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हमेशा ही अपने बयानों को लेकर खुर्शियों में रहते हैं। अब ट्रम्प ने अमेरिकी जासूस की हत्या को लेकर अमेरिकी संसद से सख्त कानून बनाए जाने की मांग की है ताकि जासूस और पुलिस अधिकारियों की हत्या करने वालों को सजा-ए-मौत दी जा सके।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जासूस जोनाथन डिलर की हत्या पर नाराजगी जाहिर करते हुए पुलिस अधिकारियों की हत्या करने वालों के लिए मौत की सजा का आह्वान किया है। उन्होंने संसद से ऐसा कानून लाने का आग्रह किया है कि पुलिस अधिकारियों की हत्या के दोषियों को तुरंत सजा-ए-मौद दी जा सकें। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक अभियान रैली में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह संसद से एक विधेयक भेजने के लिए कहेंगे जिसमें यह तय किया जाएगा कि पुलिस अधिकारी की हत्या करने वाले किसी भी व्यक्ति को तुरंत मौत की सजा दी जाए।

गौरतलब है कि 31 साल के डिलर फॉर रॉकवे पर अपनी ड्यूटी कर रहे थे। वहां गलत तरीके से खड़े वाहन से टकराने के बाद आरोपी ने डिलर को गोली मार दी गई थी। बाद में पुलिस ने 34 साल के संदिग्ध रिवेरा को गिरफ्तार कर लिया था और उस पर एक पुलिस अधिकारी की हत्या, हत्या के प्रयास और हथियार रखने का केस दर्ज किया था।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने डिलर की पत्नी और परिवारों वालों के बारे में कहा कि उनका पूरा परिवार बहुत ही अच्छा है। इसे बताना बहुत कठिन है कि सबकुछ कितना अच्छा था। उनकी हत्या की खबर बहुत ही दुख देने वाली है। यह घटना परिवार और पुलिस अधिकारियों के लिए डरावनी है। उन्होंने कहा कि डिलर के अंतिम दर्शन के लिए हजारों पुलिस कर्मचारी और महिलाएं पहुंचे थे यह देखना वाकई अच्छा था।

इजरायल के हमले पर भड़का अमेरिका,ब्रिटेन ने की निष्पक्ष जांच की मांग

वाशिंगटन। हाल ही में गाजा में एक एनजीओ पर इजरायली हमला हुआ था। हमले में वर्ल्ड सेंट्रल किचन के सात सहायता कर्मी मारे गए, जिनमें तीन ब्रिटिश नागरिक भी शामिल थे। इस हमले को लेकर अमेरिका ने नाराजगी जाहिर की है। बाइडन प्रशासन ने गाजा पर इजरायली हवाई हमले को लेकर नाराजगी जताई है। मंगलवार को व्हाइट हाउस के अधिकारी जॉन किर्बी ने इस बारे में बात की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जो बिडेन ने प्रभावित संगठन (वर्ल्ड सेंट्रल किचन) के संस्थापक जोस एंड्रेस से भी बात की है और अपनी संवेदना व्यक्त की। किर्बी ने कहा कि हमें आईडीएफ के हमले के बारे में जानकर बहुत गुस्सा आया, जिसमें कल वर्ल्ड सेंट्रल किचन के कई नागरिक मानवीय कार्यकर्ता मारे गए, जो गाजा में और पूरी दुनिया में भूखे लोगों को भोजन दिलाने के लिए लगातार काम कर रहे थे। ब्रिटेन के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बातचीत में गाजा में एक एनजीओ पर इजरायली हमले के संबंध में अपनी गहरी चिंता व्यक्त की। हमले में वर्ल्ड सेंट्रल किचन के सात सहायता कर्मी मारे गए, जिनमें तीन ब्रिटिश नागरिक भी शामिल थे। डाउनिंग स्ट्रीट के एक आधिकारिक बयान में, सुनक ने घटना की व्यापक और निष्पक्ष जांच की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने मंगलवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि हम उनके परिवारों और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। किर्बी ने इस बात पर जोर दिया कि इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और इजरायली रक्षा बलों दोनों ने तेज और व्यापक तरीके से जांच करने का वादा किया है। हमें उम्मीद है कि उन निष्कर्षों को सार्वजनिक किया जाएगा और उचित जवाबदेही तय की जाएगी।

इमरान खान ने सेना प्रमुख असीम मुनीर पर लगाया बड़ा आरोप, कहा- मेरी पत्नी बुशरा बीबी को जेल में दिया जहर

कांची (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान ने मंगलवार को दावा किया कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी को उनके निजी आवास पर जहर दिया गया था, जिसे उप-जेल में बदल दिया गया था। इमरान खान ने कहा कि अगर उन्हें कुछ भी होता है तो सेना प्रमुख को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। अदियाला जेल में 190 मिलियन पाउंड के तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले की कार्यवाही के दौरान, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) नेता ने न्यायाधीश नासिर जावेद राणा को पूर्व प्रथम महिला पर कथित जहर देने के प्रयास के बारे में सूचित किया। पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान ने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी को इस्लामाबाद में उनके निजी आवास में कैद करते समय 'जहर' दिया गया था, जिसे उप-जेल में बदल दिया गया था। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अगर उन्हें किसी भी तरह से नुकसान पहुंचता है तो देश के सेना प्रमुख को 'जिम्मेदार' ठहराने को कहा गया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि पीटीआई प्रमुख अदियाला जेल में 190 मिलियन पाउंड के तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में सुनवाई में भाग ले रहे थे और उन्होंने न्यायाधीश को बताया कि बुशरा बीबी के पास 'जहर के दुष्प्रभाव के कारण उनकी त्वचा और जीभ पर निशान थे।' अदालत से यह पूछते हुए कि अगर उनकी पत्नी को कुछ भी होता है, तो पाकिस्तान सेना प्रमुख (जनरल असीम मुनीर) को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, उन्होंने आगे दावा किया कि एक खुफिया एजेंसी के सदस्य इस्लामाबाद में उनके बानी गाला निवास और रावलपिंडी में अदियाला जेल में सब कुछ नियंत्रित कर रहे थे।

ताइवान में आए भूकंप से ताश के पत्तों की तरह ढह गईं कई इमारतें

- रिक्टर स्केल पर तीव्रता 7.4 मापी गई

ताइपे (एजेंसी)। (ईएमएस)। बुधवार की सुबह सुबह ताइवान से डराने वाली खबर आई। यहां 7.4 की तीव्रता से आए भूकंप ने बड़ी बड़ी इमारतें ताश की पत्तों की तरह ढहा दीं। अब जानकार चेतावनी दे रहे हैं कि सुनामी भी आ सकती है। भीषण भूकंप का नतीजा यह हुआ कि कई इमारतें ढह गईं और सड़कों पर मौजूद लोग कंपन में खुद को संभालने की कोशिश करते नजर आए। कहा जा रहा है कि 25 सालों में ताइवान में पहली बार इतनी बड़ी त्रासदी का सामना किया है। इस प्राकृतिक घटना के बाद सुनामी की भी आशंका जताई जाने लगी है। शक्तिशाली भूकंप आने के बाद जापान ने अपने दक्षिणी द्वीप समूह ओकिनावा में सुनामी का अलर्ट जारी किया है। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने अपने पूर्वानुमान में बताया है कि सुनामी की वजह से समुद्र में तीन मीटर (9.8 फुट) तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। बुधवार सुबह आए भूकंप की वजह से कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

हालांकि इससे पहले ताइवान ने साल 1999 के भीषण भूकंप का सामना किया था। उस दौरान 2500 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। साथ ही 1300 से ज्यादा लोग घायल भी हुए थे। उस दौरान ताइवान के नानतौ को सबसे ज्यादा प्रभावित माना गया था। भूकंप

के बाद सोशल मीडिया पर ताइवान के कई हिस्सों की तस्वीरें और वीडियो भी साझा किए जाने लगे हैं। नजर आ रहा है कि कैसे एक ऊंची इमारत अचानक गिर रही है। मीडिया द्वारा पूर्वी ताइवान के हूलिएन काउंटी के बैबिन स्ट्रीन का एक वीडियो जारी किया गया है, जिसमें नजर आ रहा है कि विशाल इमारत मिट्टी के घर की एक ओर झुक गई। भूकंप से ताइवान के हूलियन शहर में कई इमारतें गिर गईं। सुरक्षा के मद्देनजर रेल सेवाओं को स्थगित कर दिया है। साथ ही स्कूलों, सरकारी दफ्तरों को काम बंद करने का विकल्प भी दिया गया है। राजधानी ताइपेई में भी रेल सेवाओं को बंद कर दिया गया है। यहां भी कई इमारतों को ढहने की खबरें हैं। फिलहाल, इस प्राकृतिक आपदा में एक व्यक्ति की मौत और करीब 50 लोगों के घायल होने की जानकारी है।

पाकिस्तान में गरीबी मचाएगी गदर, 1 करोड़ लोग...वर्ल्ड बैंक ने जताई ये आशंका

कांची(एजेंसी)। विश्व बैंक की द्विवार्षिक पाकिस्तान विकास आउटलुक रिपोर्ट ने संकेत दिया कि देश लगभग सभी प्रमुख व्यापक आर्थिक लक्ष्यों को पूरा करने में विफल रहेगा। अंतर्राष्ट्रीय ऋणदाता ने कहा कि देश को अपने प्राथमिक बजट लक्ष्य से कम होने का अनुमान है, लगातार तीन वर्षों तक घाटे में रहेगा, जो अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की अधिशेष अनिवार्यता की शर्तों के विपरीत है। रिपोर्ट के मुख्य लेखक सैयद मुर्तजा मुजफ्फरी ने कहा कि बोर्ड-आधारित अभी तक शुरुआती आर्थिक सुधार के बावजूद, गरीबी उन्मूलन के प्रयास अपर्याप्त हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि आर्थिक वृद्धि मामूली 1.8 प्रतिशत पर स्थिर रहने का अनुमान है, जबकि गरीबी दर लगभग 40 प्रतिशत पर बनी रहेगी, लगभग 98 मिलियन पाकिस्तानी पहले से ही गरीबी से जूझ रहे हैं।

रिपोर्ट में गरीबी रेखा के ठीक ऊपर मंडरा रहे लोगों की असुरक्षा को रेखांकित किया गया है, जिसमें 10 मिलियन व्यक्तियों के गरीबी में जाने का खतरा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबों और कमजोर लोगों को कृषि उत्पादन में अप्रत्याशित लाभ से लाभ होने की संभावना है, लेकिन ये लाभ लगातार उच्च मुद्रास्फीति और अन्य क्षेत्रों में सीमित वेतन वृद्धि से ऑफसेट हो गए, जो निर्माण, व्यापार और जैसे कई गरीबों को रोजगार देते हैं। इसमें कहा गया है कि इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के दौरान दैनिक मजदूरों की मजदूरी नाममात्र में केवल पांच प्रतिशत बढ़ी, जब मुद्रास्फीति 30 प्रतिशत से ऊपर थी।

विश्व बैंक ने चेतावनी दी है कि बढ़ती परिवहन लागत के साथ-साथ जीवन-यापन के संकट के कारण स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या में संभावित रूप से वृद्धि हो सकती है और विशेष रूप से बदतर स्थिति वाले परिवारों के लिए चिकित्सा उपचार में देरी हो सकती है। साथ ही, इसमें यह भी कहा गया कि देश के कुछ हिस्सों में खाद्य सुरक्षा चिंता का विषय बनी हुई है।

संपादकीय

दवाओं की गुणवत्ता

स्वामी रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ दायर भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) की याचिका की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जो कुछ कहा है, उसके गहरे निहितार्थ हैं और इसे व्यक्ति या संस्थान विशेष के मामले के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने दोटूक कहा है कि 'न सिर्फ सुप्रीम कोर्ट, बल्कि देश के किसी भी न्यायालय ने यदि कोई आदेश पारित किया है, तो उसका अक्षरश- पालन किया जाना चाहिए।' अदालत ने अपनी टिप्पणियों में एक बार फिर जता दिया है कि कोई कितना भी रसूखदार क्यों न हो, कानून की महिमा सबसे ऊपर है! निस्संदेह, भारतीय न्यायपालिका की दुनिया भर में साख है और यह प्रतिष्ठा उसने एक-दो महीने या साल में नहीं अर्जित की है, यह इंसाफ के प्रति उसकी दशकों की प्रतिबद्धता का फलितार्थ है। ऐसे में, सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में अपने आदेश की नाफरमानी को उचित ही गंभीरता से लिया है। स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण की शीर्ष अदालत में सशरीर उपस्थिति और उनके माफीनामे पर अदालत की प्रतिकूल टिप्पणी इस बात की तस्दीक करती है। अदालत ने अगली सुनवाई में भी इन दोनों को उपस्थित रहने का आदेश दिया है। दरअसल, भ्रामक विज्ञापनों का पूरा मसला ही अपने आप में एक बड़ा मामला है, खासकर दवाओं के मामले में इसके परिणामों की प्रकृति इसे और गंभीर बना देती है। ऐसे में, अदालत ने केंद्र व राज्य सरकारों के रवैये पर जो टिप्पणी की है, वह भी सत्ता-प्रतिष्ठानों को आईना दिखाने के लिए काफी है। विडंबना यह है कि जिस आईएमए ने पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापन और इसके ऊंचे ओहदेदारों के बड़बोलेपन के खिलाफ अदालत की शरण ली है, वह अपने पेशेवरों के आचरण की निगरानी का कोई अचूक तंत्र अब तक विकसित नहीं कर पाया है! सोशल मीडिया में हर कुछ दिन पर चिकित्सकों की लापरवाही या मरीजों से मार-पीट के वीडियो वायरल होते रहते हैं। आईएमए कितनों के खिलाफ कार्रवाई करता है? आईएमए को इस पहलू पर भी चिंता करनी चाहिए। इसमें कोई दोराय नहीं कि हमारे देश में आयुर्वेद की बेहद समृद्ध चिकित्सा पद्धति है और करोड़ों लोग इस प्रणाली से लाभान्वित भी हुए हैं। इस बात से आधुनिक चिकित्सा पद्धति (एलोपैथी) या आईएमए का कोई झगड़ा या विरोध भी नहीं है, परेशानी प्रामाणिकता की कसौटी पर खरी आधुनिक चिकित्सा पद्धति को निराधार चुनौती देने और लोगों को गुमराह करने को लेकर है। इन दोनों पद्धतियों के पेशेवरों और दवाओं का अंतिम उद्देश्य मरीजों को स्वस्थ करना है। मगर दुर्योग से दोनों पद्धतियों में कुछ लोभी कारोबारी नकली दवाओं के जरिये बेबस लोगों की सेहत से खिलवाड़ करते हैं। अभी कितने दिन हुए होंगे, जब कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी की नकली एलोपैथिक दवाओं की फैक्टरियां गाजियाबाद से हैदराबाद तक पकड़ी गईं? अभी तीन दिन पहले ही उत्तर प्रदेश सरकार ने 22 से अधिक नकली या मिलावटी आयुर्वेदिक दवाओं की बिक्री पर रोक लगाई है। समय आ गया है, आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण से जुड़ी कंपनियों की दवा परीक्षण-प्रणाली की ठोस निगरानी सुनिश्चित की जाए। सत्यापित दवाओं के विज्ञापन से किसी को क्या गुरेज हो सकता है? इससे न सिर्फ आयुर्वेद चिकित्सा प्रणाली की प्रतिष्ठा दुनिया भर में बढ़ेगी, बल्कि निरीह मरीजों को किसी छलावे का शिकार बनने से भी बचाया जा सकेगा।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

बेटियों को भी मिले उचित सम्मान

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढने के बावजूद भी वह अनेको कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियां उनके आगे बढने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। देश में आज भी प्रतिवर्ष लाखों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियो को बोझ समझा जाता है।

हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओ को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है।

पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। इस योजना ने भारत में सीएसआर (बाल लिंग अनुपात) में गिरावट के मुद्दे पर चिंता जताई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 15 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2022-23 में 15 अंक बढ़कर 933 हो गया।

अगर समाज में बेटियों को उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नही रहेगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नही हम सबकी एक जिम्मेदारी है तो इसमें कुछ गलत नही है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते है तो हम सबका यही फर्ज बनता है हम इन बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाये। उन्हें इतना सशक्त बनाये की खुद गर्व से कह सके की देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है।

भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिये जाते हैं। इसलिए यहां महिलाओं से पुरुषो की संख्या 5 करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढिवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जायेगी। बेटा अगर मुखाग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा।

आज लड़किया लड़को से किसी भी क्षेत्र में कमतर नहीं हैं। कठिन से कठिन कार्य लड़किया सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर क्षेत्र में महिला शक्ति को पूरी हिम्मत से काम करते देखा जा सकता है। लड़कियों ने अपने काम और समर्पण के दम पर कई क्षेत्रों और क्षेत्रों में खुद को साबित किया है। वे अधिक प्रतिभाशाली, आज्ञाकारी, मेहनती और परिवार और अपने जीवन के लिए जिम्मेदार हैं। लड़कियाँ अपने परिवार और माता-पिता के प्रति अधिक देखभाल करने वाली और प्यार करने वाली होती हैं और वे हर काम में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देती हैं। देश की अर्थव्यवस्था में भी महिलाओं का अहम योगदान है। वे श्रम शक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और व्यवसायों की वृद्धि और विकास में योगदान देती हैं।

एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिश छोड़ दिया जाता है। वहीं झुंझुनू जिले की मोहना सिंह जैसी बालिकायें भी है जो आज देश में फाईटर प्लेन उड़ा कर पूरे देश में जिले का मान बढ़ा रही हैं। समाज में सभी को मिलकर लडका-लडकी में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए। बालिकाओं का कोख में तो कत्ल कर उन्हे धरती पर आने से पहले ही मारा जा रहा है। उससे भी घिनोना काम जिन्दा बालिकाओं के साथ किया जा रहा है। देश में बालिकाओं के साथ हर दिन बलात्कार, प्रताडना की घटनायें अखबारो की सुर्खिया बनती हैं। बालिकायें कही भी अपने को सुरक्षित नहीं समझती हैं। चाहे घर हो या स्कूल अथवा कार्य स्थल। हर जगह वहशी भेडिये उन पर नजरे गड़ायें रहते हैं। उन्हे जब भी मौका मिलता है नोंच डालते हैं। ऐसे माहौल में देश की बालिकायें कैसे आगे बढ़ पायेगीं।

समाज के पढ़े लिखे लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे घिनोने कार्य को रोकने का माहौल बनाना होगा। ऐसा करने वाले लोगों को समझा कर उनकी सोच में बदलाव लाना होगा। लोगों को इस बात का संकल्प लेना होगा कि ना तो गर्भ में कन्या की हत्या करेगें ना ही किसी को करने देगें। तभी देश में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लग पाना संभव हो पायेगा।

सरकार व समाज को मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिये जिसमें बालिकायें खुद को महफूज समझ सकें। बालिकाओं पर अत्याचार करने वालों के मन में भय व्याप्त करने के लिये सरकार को कानून में और अधिक सुधार करना चाहिये। बालिकाओं को कई प्रकार के भेदभाव का शिकार होना पड़ता है।

समाज और राष्ट्र के विकास के लिए बालिकाओं के महत्व को स्वीकार करना और बढ़ावा देना आवश्यक है। शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है। एक शिक्षित लड़की ही अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के आर्थिक विकास में योगदान दे सकती है। कानूनी सुरक्षा बालिकाओं के अधिकारों की सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू है। जागरूकता कार्यक्रमों और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से लड़कियों के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को बदलने के लिए भी उतना ही आवश्यक है।

हमारे समाज का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम आज अपनी बच्चियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और उन्हें कितना महत्व देते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाना न केवल एक नैतिक दायित्व है बल्कि सामाजिक विकास के लिए एक जरूरी आवश्यकता भी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लड़कियों को आगे बढ़ने, सीखने के समान अवसर मिले। तभी हम एक संतुलित, न्यायसंगत और समृद्ध समाज बना सकेगें।

हम सभी जानते हैं कि एक लड़की समाज के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। वह एक मा, एक बेटी, एक पत्नी इस तरह कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाती है। उसे घर की शांति बनाए रखने वाली स्तंभ माना जाता है और फिर भी उसका अपमान किया जाता है। स्त्रियां ही संतति की परम्परा में मुख्य भूमिका निभाती है फिर भी प्राचीन समाज से लेकर आधुनिक कहे जाने वाले समाज तक स्त्रियां उपेक्षित ही रही है। उन्हें कम से कम सुविधाओं, अधिकारों और उन्नति के अवसरों में रखा जाता रहा है, इसी कारण महिलाओं की परिस्थिति अत्यन्त निचले स्तर पर है ।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

गज़ब है मतदान में लगने वाली स्याही का इतिहास!

(लेखक - डॉ. श्रीगोपाल नारसन)

अमरीकी इतिहास में चार राष्ट्रपति कम मतदान पाने के बावजूद जीत गए थे,ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार को 'इलैक्टोरल वोट्स' में बहुमत पाना जरूरी होता है।प्रत्येक अमरीकी राज्य के उसकी आबादी के हिसाब से 'इलैक्टोरल वोट' निर्धारित हैं।और ये सारे के सारे उसी उम्मीदवार को दिए जाते हैं जो राज्य में अधिक मत प्राप्त करता है।जिसे भी 270 इलैक्टोरल वोट मिल जाते है वही राष्ट्रपति बन जाता है।सन 2000 में अल गोर ने जॉर्ज बुश से पांच लाख अधिक मत हासिल किए लेकिन वो इलैक्टोरल वोट्स की गिनती में पीछे रह जाने के कारण राष्ट्रपति नही बन पाए थे।सन 1845 में अमेरिका राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव नंवबर महीने के पहले सोमवार के अगले दिन यानी मंगलवार को हुए थे।तब से यही प्रथा बरकार है।19वीं सदी में अमरीका एक कृषि प्रधान देश था और किसानों को मतदान केंद्र तक पहुंचने में काफ़ी समय लगता था।शनिवार को भी वे काम कर रहे होते थे और रविवार को चलकर सोमवार को वोट देने पहुँचना संभव नहीं था। जबकि बुधवार को मंडियों में अनाज बेचने का दिन होता था और फिर वापस लौटना होता था।

सप्ताहांत में मतदान करवाने की कोशिश पहले ही विफल हो चुकी थी।ऐसे में एक ही दिन बचा था, मंगलवार ,इसलिए मंगलवार के दिन मतदान की परंपरा आज तक चली आ रही है।जॉर्ज डब्ल्यू बुश को सन 2004 के चुनावों में कम मत मिले थे लेकिन फिर भी वे राष्ट्रपति बन गए थे।卐अमरीकी चुनावों में दक्षिण के लोगों का बोलबाला होता है। वहां के लोग बहुत बातूनी होते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर भी अकसर दक्षिण से आए लोगों का बोलबाला रहता है।卐 पाकिस्तान के आम चुनाव में अजीबोगरीब चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए थे,जिनमे मोबाइल फोन चार्जर, सिमकार्ड, गधा गाड़ी, बैंगन, जूते आदि शामिल हैं। कई चुनाव चिन्ह तो ऐसे हैं जो जिसको पाकर कई उम्मीदवार शर्मिंदा तक हो गए थे। पश्तो भाषा में बोतल शब्द का इस्तेमाल किसी मूर्ख इंसान के लिए किया जाता है और एक उम्मीदवार को बोतल चुनाव चिन्ह मिला था।वही भारत मे नीले रंग की स्याही को भारतीय चुनाव में शामिल करने का श्रेय देश के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन को जाता है।जिन्होंने वोट डाल देने के प्रमाण स्वरूप मतदाता की उंगली पर स्याही लगाने की परंपरा शुरू की थी।एक मतदाता द्वारा एक से ज्यादा मतदान को रोकने के लिए चुनाव दौरान मतदाताओं के बाएं हाथ की तर्जनी (अंगूठे के साथ वाली अंगुली) पर स्याही लगाई जाती है। अंगुली पर लगी यह स्याही इस बात का प्रमाण है कि अमुक व्यक्ति ने अपना वोट कर दिया है।

यह प्रक्रिया चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 49क में प्रतिरूपण (गलत पहचान) के खिलाफ सुरक्षा के रूप में निर्वाचक की बाईं तर्जनी पर अमिट स्याही लगाने का प्रावधान दिया गया है।मतदान स्याही/ चुनावी स्याही बनाने के लिए सिल्वर नाइट्रेट केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। स्याही को लगाये जाने के बाद इसे कम-से-कम 72 घंटे तक त्वचा से नहीं मिटाया जा सकता।

चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 49क में प्रतिरूपण (गलत पहचान) के खिलाफ सुरक्षा के रूप में निर्वाचक की बाईं तर्जनी पर अमिट स्याही लगाने का प्रावधान है।मतदान स्याही को लेकर कई बार लोगों के मन में यह भी सवाल रहता है कि यह स्याही मिटती क्यों नहीं है? ऐसा इसलिए क्योंकि मतदान स्याही बनाने के लिए सिल्वर नाइट्रेट केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। स्याही को लगाये जाने के बाद इसे कम-से-कम 72 घंटे तक त्वचा से नहीं मिटाया जा सकता।

सिल्वर नाइट्रेट केमिकल का इस्तेमाल भी किया जाता है क्योंकि यह पानी के संपर्क में आने के बाद काले रंग का हो जाता है और मिटता नहीं है। जब चुनाव अधिकारी मतदाता की अंगुली पर स्याही लगाते हैं तो सिल्वर नाइट्रेट हमारे शरीर में मौजूद नमक के साथ मिलकर सिल्वर क्लोराइड बनाता है। सिल्वर क्लोराइड पानी में घुलता नहीं है और त्वचा से जुड़ा रहता है। इसे साबुन से नहीं धो सकतें। यह निशान तभी मिटता है जब धीरे-धीरे त्वचा की कोशिकायें पुराने होते जाते हैं और वे उतरने लगते हैं।उच्च गुणवत्ता की मतदान स्याही 40 सेकेंड से भी कम समय में सूख जाती है। इसका असर इतनी तेजी से होता है कि अंगुली पर लगने के एक सेकेंड के अंदर ही यह अपना निशान छोड़ देती है। यही वजह है इस स्याही को जल्दी से मिटाया नहीं जा सकता।सन 1962 के चुनाव से इस स्याही का इस्तेमाल किया जा रहा है।आजादी के बाद से अभी तक मतदान के विभिन्न तरीके अपनाये गए। गांव स्तर से लेकर राज्य और केन्द्र स्तर तक अपना जनप्रतिनिधी चुनने के लिए जो तरीके अपनाये गए उनमें हाथ उठाकर अपना जनप्रतितिधी चुनने से लेकर ईवीएम वोटिंग मशीन तक का उपयोग मतदाताओं के लिए वरदान बना। एक समय ऐसा भी था,जब गांव में लोग अपना प्रधान व ग्राम सदस्यों का चुनाव हाथ उठाकर करते थे। तब न बैलट पेपर का झंझट था ,न वोटिंग मशीन की जरूरत थी, बस हाथ उठाओं और हो गया वोट । ग्राम सभाओं के ग्राम प्रधान व ग्राम सभा सदस्यो के चुनाव सन 1962 तक हाथ उठाकर ही कराये जाते थे। लेकिन जब हाथ उठाकर वोट देने के कारण लोगो के बीच आपसी रंजिश बढने लगी तो हाथ उठाकर वोट देने की सरल व सुगम परम्परा को बन्द करना पडा। हालांकि आजादी के पहले तक तो हाथ उठाकर वोट डालने की परम्परा सामान्य थी।

(लेखक राजनीतिक चिंतक वरिष्ठ पत्रकार है)

विचार मंथन

योग गुरु बाबा रामदेव को सफलता ने बनाया अहंकारी

(लेखक - सनत जैन)

योग गुरु के रूप में बाबा रामदेव ने भारत में अपनी एक नई छवि बनाई थी। योग के जरिए कैसे बड़ी-बड़ी बीमारियों को नियंत्रित किया जा सकता है। योग से बीमारियों को कैसे ठीक किया जा सकता है। योग गुरु बाबा रामदेव ने योग को नए स्वरूप में आम जनता के सामने पेश किया था। इसका फायदा भी हुआ और बाबा रामदेव की प्रतिष्ठा और लोकप्रियता दोनों ही बड़ी तेजी के साथ बढी। जैसे ही सफलता मिलती है, उसके बाद धीरे-धीरे अहंकार का प्रवेश शुरू हो जाता है। एक समय ऐसा भी आया जब बाबा ने गांव गांव में योग प्रशिक्षकों की नियुक्ति की। उनकी राजनीतिक अभिलाषा जाग गई। वह अपना खुद का राजनीतिक दल बनाने की सोचने लगे थे। गांव-गांव में जब वह योग प्रशिक्षकों की नियुक्ति कर रहे थे, उनके ऊपर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की नजर पड़ी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उनकी इस मामले में सहायता की। वह संघ और भाजपा के करीब आ गए। बाबा रामदेव की राजनीतिक महत्वकांक्षा को देखते हुए भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चिंतित हुए। उन्होंने बाबा को मनाया और अपने साथ मिला लिया। योग गुरु के रूप में बाबा रामदेव की लोकप्रियता की पहली परीक्षा अन्ना हजारे के आंदोलन में हुई। बाबा रामदेव ने अन्ना हजारे के आंदोलन में खुलकर भाग लिया। भाजपा की नीतियों को आगे बढ़ाने में उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से अन्ना आंदोलन के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी को सपोर्ट किया। कालेधन, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार को लेकर कई बयान दिये। 2014 में केंद्र में भाजपा की सरकार पूर्ण बहुमत की बन गई। उसके बाद जैसे बाबा की लॉटरी खुल गई।

बाबा ने पतंजलि ब्रांड के माध्यम से योग और आयुर्वे दिक दवाईयों से बीमारियों का निदान स्थाई रूप से बीमारियों को ठीक करने का आयुर्वेदिक दवाई का फंडा आयुर्वेदाचार्य बालकृष्ण और बाबा रामदेव ने मिलकर ऐसा जाल फैलाया। जिसके कारण बाबा रामदेव आगे चलकर लाला रामदेव बन गए। पतंजलि के नाम से बिस्कुट से लेकर हर वह चीज बेचने लगे। जो जनता की नियमित जरुरतें थीं बाबा रामदेव और पतंजलि की ब्रांडिंग समानांतर दिशा में आगे बढ़ने लगी। उसके बाद बाबा ने पलट कर नहीं देखा। बाबा से बड़ा नेगोशिएटर शायद कोई हो। उन्होंने अपने राजनीतिक संबंधों का पूरा लाभ अपने धंधे के लिए उठाया। आज बाबा की दुकान में वह सब कुछ बिक रहा है जो आम आदमी की रोजमर्रा की जरूरत है। बाबा राष्ट्रीय स्तर से अंतरराष्ट्रीय स्तर की दौड़ में शामिल हो गए। निश्चित रूप से आयुर्वेदिक उत्पाद और आयुर्वेदिक चिकित्सा अपने आप में स्थाई रूप से बीमारियों से राहत दिलाने में सहायक है। पतंजली की दवाओं को उन्होंने रामबाण बताकर रोगों का स्थाई इलाज का दावा किया। एलोपैथी चिकित्सा अपने आप में महत्वपूर्ण है। एलोपैथी चिकित्सा आज सारी दुनिया में प्रचलित है।

विशेष रूप से सर्जरी के क्षेत्र में और त्वरित रूप में एलोपैथी चिकित्सा ही दुनिया के देशों में मान्य है। जिस तरह से बाबा रामदेव ने पतंजलि के उत्पाद बेचने के लिए बिना प्रमाण झूठे दावे करते हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद में बाबा ने झूठे दावे के विज्ञापनों को जारी रखा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश हो जाने के बाद भी सरकार द्वारा कोई कार्यवाही पतंजलि और बाबा रामदेव पर नहीं की गई। जिसके कारण बाबा रामदेव को यह अहंकार हो गया था कि वह केंद्र सरकार और भाजपा के लिए अति महत्वपूर्ण है। उन पर कोई नियम कानून लागू नहीं होते हैं। वह जो इच्छा करते हैं, सबको उनकी इच्छा को पूरी करना पड़ती है। इसी की परणति अभी सुप्रीम कोर्ट में हुई है। अवमानना याचिका जब जजों के सामने खड़े होकर उन्होंने मौखिक रूप से क्षमा याचना की । सुप्रीम कोर्ट ने बाबा की क्षमा याचना को ठुकराते हुए, अवमानना का प्रकरण चलाने की बात कही। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व में जो आदेश किए हैं। उस पर बाबा को शपथ पत्र के साथ जवाब देने के लिए कहा है। बाबा अपने अहंकार को नियंत्रित कर लें, यही बाबा रामदेव, आयुर्वेदाचार्य बाबा बालकृष्ण और पतंजलि के भविष्य के लिए ठीक होगा। बाबा बहुमुखी प्रतिभा के धनी है, वह योग गुरु, लाला रामदेव के अलावा अपने आप में एक ब्रांड बन चुके हैं। वह खुद ही अपनी चीजों का प्रचार कर रहे हैं। उन्हें मॉडल के रूप में भी देखा जा सकता है। ऐसे बहुमुखी प्रतिमा के धनी बाबा रामदेव का अहंकारी हो जाना वैसे तो सामान्य गुण है। सुप्रीम कोर्ट के इस झटके से यदि वह कोई सबक ले लेंगे, तो उनकी प्रतिष्ठा और उनके कारोबार के लिए बेहतर होगा। अन्यथा बाबा के लिये अब भ विष्य बेहतर नहीं होगा।

दूर देश में भारत की लौ

अपने देश की सीमाओं के भीतर आप कहीं भी चले जाएं, भाषा और जलवायु की भिन्नता के बावजूद भावनात्मक एकता और अपनेपन के जज्बे के कारण सब कुछ अपना सा ही लगता है। यह अपनापन किसी जगह के प्रति जुडाव तो पैदा करता है। पर एक खास तरह के कुतूहल और रोमांच से आपकोवंचित भी कर देता है। यही वजह है जो देश की सीमाओं को पार करने की ललक हर शस के मन में बनी रहती है।

मारीशस

भारत के नाम पर धड़कती जिंदगी

अपने देश की सीमाएं पार करने के बाद थोड़ी देर तक तो आप एक नए तरह की दुनिया देखने के रोमांच से पुलकित रहते हैं। पर बाद में आपको फिर वही सारी चीजें याद आने लगती हैं। जिन्हें पीछे छोडकर आप आए होते हैं। यही वजह है जो विदेश घूमना सिर्फ थोडे दिनों के लिए ही ठीक समझा जाता है। हालांकि अब पर्यटन के लिए लोगों के बढ़ते शौक और इसमें आई व्यावसायिकता के कारण अपने देश के व्यंजन और सुविधा। तो हर जगह मिल जाती हैं। पर अपना सांस्कृतिक ताना-बाना तो कहीं और नहीं मिल सकता है। न तो उस धरती पर आपको अपनों का प्यार मिलता है। न वह सहयोग और न ही ऐसी निश्चतता पाने की उमीद आप कर सकते हैं।

लेकिन नहीं ऐसा भी नहीं है कि भारत के बाहर आपको हर तरफ अनजानी-अजनबी दुनिया ही मिले। दुनिया में कुछ ऐसे देश भी हैं जहां आपको देश से बाहर होने का ऐहसास तक नहीं होगा। भारत के बाहर होते हुए भी सब कुछ आपको अपना-सा लगेगा। भाषा, खानपान, धार्मिक रीति-रिवाज और यहां तक कि संस्कार भी बिलकुल भारतीय। कुछ देश तो ऐसे भी हैं जहां कुछ दिन घूमने के बाद आप भारतीय संस्कृति से ऐसे अभिभूत हो जाएंगे जैसे आप भारत में रहते हुए भी नहीं हो सके होंगे।

मंदिरों में बजते घंटे खानपान के तौर-तरीके और पारंपरिक भारतीय वेशभूषा देखकर तो आपको ऐसा लगेगा जैसे असली भारत अब यहीं आ गया हो। अपना देश अब जिस तरह पश्चिमी रंग में रंगता जा रहा है। उससे तुलना करने पर तो ऐसा लगेगा कि क्यों न अपनी संस्कृति से जुड़ाव को और गहरा तथा जीवंत करने के लिए हम शताब्दियों पहले अपने इन बिछुड़ गई भाई बहनों से प्रेरणा लें।

जी हां। ये हमारे अपने बिछुड़े हुए लोग ही हैं जिन्होंने भारत से बाहर जाकर अपने ढंग से एक अलग भारत बसाया है। इनमें कुछ रोजी-रोटी की तलाश में खुद-ब-खुद गए हैं तो कुछ को अंग्रेजी शासनकाल के दौरान गिरमिटिया मजदूर के तौर पर जबरिया ले जाया गया है। दुर्गम और अत्यंत असुविधाजनक जगहों पर जाकर उन्होंने अपनी मेहनत से संपन्नता और सुविधाओं का जो स्वर्ग सजाया। उसने उन्हें सब कुछ दे दिया। वे मजदूर से मालिक तो बन गए पर इस क्रम में भी उनके लिए बहुत कुछ बाकी रह गया। वे लगातार यह महसूस करते रहे कि उन्होंने अपना देश खोया है और खोई है उसकी संस्कृति। हालांकि परदेस के भयावह अंधकार में जो इकलौती रोशनी उन्हें मिलती रही। वह भी अपने देश की संस्कृति के दिए से ही मिल रही थी। लिहाजा मौका मिलते ही उन्होंने अपने उन संस्कारों, प्रतीकों को नई गति दी। जिसके नतीजे सबके सामने हैं। कुछ जगहों पर हमारी संस्कृति इसलिए पहुंची कि वहां के लोगों को इसने आकर्षित किया। उन्होंने अपनी तमाम समस्याओं से मुक्ति और बेहतर जीवन शैली की ओर जाने का मार्ग भारत की संस्कृति और सयता में देखा। इस तरह इसकी जड़ें दुनिया के अनेक देशों में अत्यंत गहरे तक जमती चली गई।

बदलते हुए वैश्विक परिदृश्य में वैसे तो भारतीयों का बोलबाला पूरी दुनिया में है। भारतीय ध्यान और योग की लहर से आज एशिया यूरोप और अमेरिका के अलावा अन्य देश भी प्रभावित हैं। प्राच्य विद्याओं के प्रति लोगों का रुझान बढ़ा है। इन्हीं सबके साथ बढ़ रही है भारतीयों के प्रति स्नएह और सहयोग की भावना पर कुछ देश ऐसे भी हैं जो भारत और भारतीयों के प्रति स्नेह, समान की भावना कई पीढ़ियों से अपने भीतर बसाए हुए हैं। उनका यह भाव दिखाई देता है उनकी पूरी जीवन शैली और उनके संस्कारों में।

भारतभूमि से बहुत दूर होने के बावजूद भारतीय संस्कृति जहां पूरी तरह मूर्तमान है। उन देशों की चर्चा के क्रम में सबसे पहला नाम मॉरीशस का आता है। भारतीयता के प्रबल प्रतीक मॉरीशस में एयरपोर्ट पर उतरने से लेकर वहां के विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी के बीच कहीं भी और कभी भी हमें यह महसूस नहीं हुआ कि हम अफ्रीका के दक्षिणी-पूर्वी छोर पर बसे एक छोटे से द्वीप पर मौजूद हैं, बल्कि हर कदम पर यही लगा कि यह भारत का ही कोई हिस्सा है। मॉरीशस पर लंबे अरसे तक फ्रांस का आधिपत्य रहा है अतः यहां अंग्रेजी और फ्रेंच के अलावा क्रियोल भाषाएं चलन में हैं। हिंदी और भोजपुरी का भी यहां जबर्दस्त वर्चस्व है। यहां के कुछ लोग हिंदी में आपका जवाब भले न दे सकें पर आप कहना क्या चाहते हैं। यह वे समझते हैं। भारतीय मूल के लोगों का तो कहना ही क्या!

यहां मंदिरों में विधि-विधान के साथ पूजा-पाठ होता है। पंडित-पुरोहित विविध संस्कारों को अत्यंत शुद्धता के साथ संपन्न कराते दिखते हैं। भारतीय मूल के लोग अपने तीज-त्योहारों के मामले में आज भी सभी परंपराओं का निर्वाह करते हैं। दक्षिण भारतीय समुदाय के लोग यहां मकर संक्रांति के अवसर पर पड़ने वाले पोंगल को पूरे उत्साह के साथ मनाते हैं पूरे तीन दिन तक चलने वाले उत्सव में यहां भी उन सभी रीति-रिवाजों का निर्वाह होता है। जिनका निर्वहन भारत में किया जाता है।

इतिहास में रुचि रखने वाले लोग जानते हैं कि भारत में जब अंग्रेजों और फ्रांसीसियों के बीच संघर्ष चल रहा था। तब अपनी स्थिति बेहतर बनाने के लिए अंग्रेजों की नजर मॉरीशस पर गई। उन्होंने मॉरीशस पर आक्रमण किया और इसे फ्रांसीसियों से छीन लिया। फ्रांसीसियों ने हारकर सत्ता तो अंग्रेजों के हवाले कर दी पर अपनी सांस्कृतिक शक्ति को बचाए रखा उन्होंने यहां के भारतीयों के साथ हिंदी व फ्रेंच को मिलाकर नई बोली का आविर्भाव किया। उसे ही अब क्रियोल के नाम से जानते हैं। भारतीय संस्कृति को पुष्पित-पल्लवित होने देने में फ्रांसीसियों नए परोक्ष योगदान किया। लगभग दो सौ वर्ष पूर्व जब भारतीय यहां पहुंचे तो उन्होंने इसे मारीच देश कहा था। रामायण की अनुगूंज आज भी यहां भारतीयों की आस्था का जबर्दस्त सेतु है। श्रीरामचरित मानस की चौपाइयां यहां कष्ट में फंसे लोगों के लिए संजीवनी बूटी का काम करती हैं। भारत में निर्मित होने वाले धार्मिक टेलीविजन कार्यक्रमों का बड़ा दर्शक वर्ग मॉरीशस में है यहां भारतीय विषयों पर न सिर्फ गांव और गलियों के नाम रखे गए हैं। अपितु सिनेमाघरों, दुकानों, बसों तक के नाम नालंदा, सूर्यवंशी, बनारस, सम्राट अशोक तथा अजंता आदि रखे जाते हैं। भारतीय सांस्कृतिक संदर्भो में यहां डाक टिकट भी जब-तब निकलतए रहे हैं। घरों की बनावट में भी भारतीय वास्तुकला का पूरा ध्यान रखा जाता है। मार्क ट्वएन जैसे लेखक को मॉरीशस यात्रा के दौरान यह कहना पड़ा कि भगवान ने पहले मॉरीशस बनाया होगा फिर उसकी नकल पर स्वर्ग का निर्माण किया होगा, पर इस बंजर भूमि को स्वर्ग बनाने वाले उन महान भारतीयों को कभी भुलाया नहीं जा सकता जिन्होंने खुद की आहुति देकर अपने मूल्यों को बचाए रखा। तमाम प्रलोभनों-प्रतिबंधों के बावजूद चोरी-चोरी अपनी भाषा संस्कृति व धर्म से जुडे रहे तब भारतीयों को अपनी भाषा में अभिव्यक्ति की आजादी इसलिए नहीं थी क्योंकि अंग्रेज डरते थे कि वे उनके विरुद्ध कोई षड्यंत्र न कर बैठे। उन्हें रामायण व लोकगीत गाने से इसलिए रोका जाता था कि कहीं उनके बीच विद्रोह की चिंगारी न पनप जाए फिर भी भारतीय स्त्रियों ने कोयले के टुकडों से अंगीठी की रोशनी में अपने बच्चों को अक्षरों का बोध कराया। आंगन में हनुमान जी तथा गांवों के नुक्कड़ पर काली माई की स्थापना कर विधर्मी शक्तियों से प्रतिरोध का मौन अभिषेक किया।

मॉरीशस में आज भी हर भारतवंशी के आंगन में हनुमान जी के चबूतरे और लाल झंडियां सांस्कृतिक मूल्यों के विजय की लघुपताकाएं बनकर लहरा रही हैं। भारतीय संस्कृति का प्रतिबिंब समूची जीवन शैली में साफ दिखता है। चाहे गोद भराई की रस्म हो या बच्चों के जन्म पर नामकरण संस्कार सोहर व ललना गाने का चलन हो या उपनयन बरछिया पद्धति हो या गृह प्रवेश या फिर अंतिम यात्रा का क्षण सभी जगह भारतीय रीति-रिवाजों और परंपराओं का पूरी तन्मयता से पालन किया जाता है हाईटेक होती संस्कृति के बीच शादी-विवाह के रंग-ढंग भवे बदले हों पर भोज आज भी केले के पत्तों पर पूडी व साग-सब्जी के साथ ही होता है। माटी कोडाई, इमली घोटाई कंगना खिलाई तिलक हल्दी से लेकर अग्नि के भांवर आदि रस्मों का निर्वाह भारतीय संस्कृति और पद्धति के अनुरूप ही होता है। गांवों में बिरहा और हरपरौरी जैसे लोक गायन सुनने को मिलते हैं। मॉरीशस की युवा पीढ़ी फ्रांच और अंग्रेजी गाने सुन तो लेती है। लेकिन गुनगुनाने के लिए उनकी प्राथमिकताएं हिंदी भोजपुरी गीत और उर्दू गजलें ही हैं।

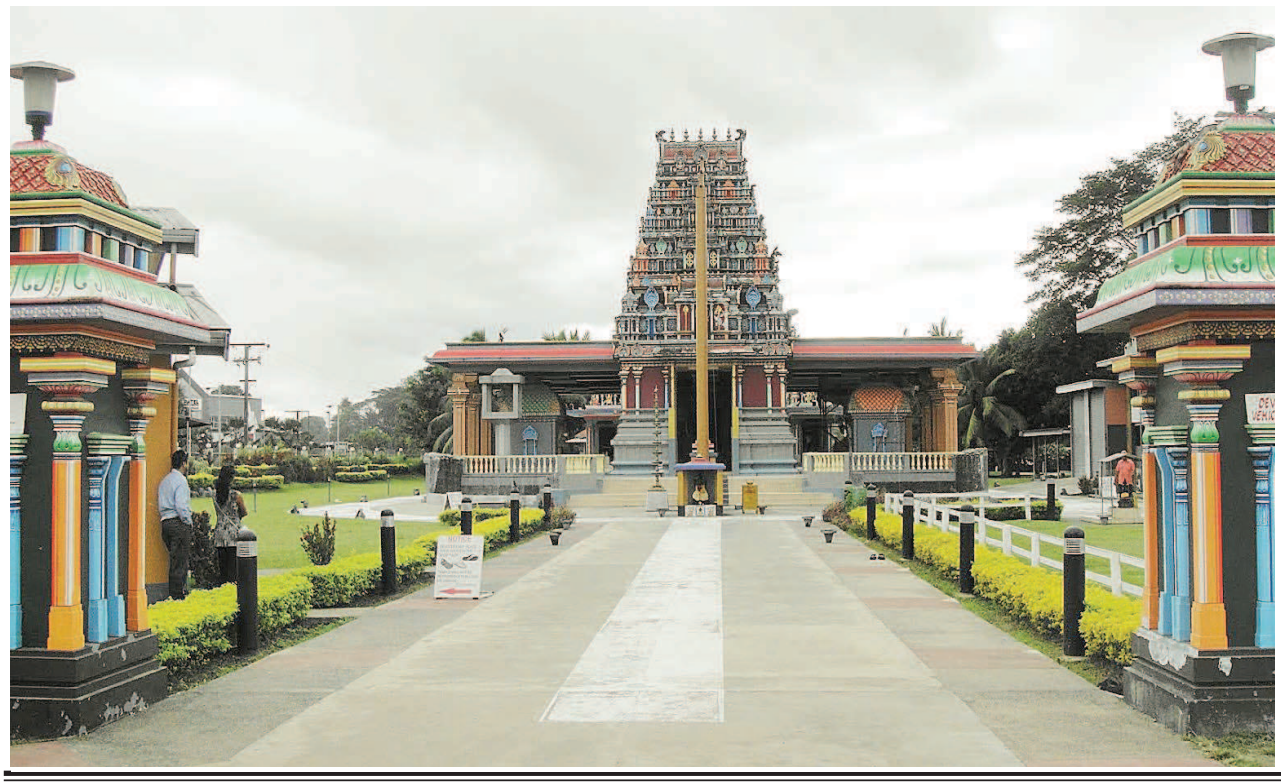

घरेलू बाजार में पेट्रोल डीजल की कीमतों में नहीं हुआ बदलाव

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार चढ़ाव के बीच ही बुधवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी हालांकि घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं आया अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेज (ब्रेंट क्रूड) 89.03 डॉलर प्रति बैरल है जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 85.18 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में सरकारी तेल कंपनियों ने 3 अप्रैल को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 94.47 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.55 रुपये प्रति लीटर.नोएडा में पेट्रोल 95.01 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.14 रुपये प्रति लीटर जबकि गुरुग्राम में पेट्रोल 94.90 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.14 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है। वहीं गाजियाबाद में पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.75 रुपये प्रति लीटर है। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में पेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर पर है। पंजाब के चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर पर है। हैदराबाद- पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर- पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर पर है। देश के चारों महमहानगरों में पेट्रोल-डीजल के दाम पहले की तरह बने हुए हैं। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। वहीं मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.19 रुपये और डीजल 92.13 रुपये प्रति लीटर पर बनी हुई हैं। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.93 रुपये और डीजल 90.74 रुपये प्रति लीटर पर हैं। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये और डीजल 92.32 रुपये प्रति लीटर पर हैं।

भारत में हो सकता है गैलेक्सी एम55 5जी लॉन्च

- सैमसंग के दो फोन्स भारत में आने को तैयार

नई दिल्ली । भारत में दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग द्वारा गैलेक्सी एम55 5जी को लॉन्च किया जा सकता है। गैलेक्सी एम55 5जी को क्वालकॉम् का स्नैपड्रेगन 7 जेन 1 प्रोसेसर दिया गया है, तो वहीं गैलेक्सी एम15 5जी ऑक्टा-कोर मीडियाटेक डायमेंसिटी 6100+ प्रोसेसर से लैस है। इस मॉडल को गैलेक्सी एम15 5जी के साथ हाल ही में लॉन्च किया गया था। अब दोनों ही फोन्स भारत में आने को तैयार हैं। बता दें कि भारत में इनकी लॉन्चिंग से पहले फोन्स की कीमतें भी लीक हो गई हैं। अमेजन पर गैलेक्सी एम55 5जी और गैलेक्सी एम15 5जी के लिए जारी बैनर पर ये कंफर्म किया गया है कि इन हैंडसेट्स को भारत में लॉन्च किया जाएगा। फिलहाल ये तो साफ है कि फोन्स को जल्द लॉन्च किया जाएगा। लेकिन, इसके लिए तारीख का ऐलान नहीं किया गया है। एक बैनर से ये कंफर्म किया गया है कि गैलेक्सी एम55 5जी स्नैपड्रेगन 7 जेन 1 प्रोसेसर के साथ आएगा। वहीं, एक और बैनर में ये बताया गया है कि गैलेक्सी एम15 5जी में एस अमोलेड डिस्प्ले और 6,000 एमएएच की बैटरी होगी। ये जानकारियां फोन के ग्लोबल वेरिएंट्स की तरह ही हैं। इससे साफ है कि बाकी फीचर्स भी ग्लोबल वेरिएंट्स की ही तरह हो सकती हैं। इस बीच एक्स पर पोस्ट की एक सीरीज में गैलेक्सी एम55 5जी और गैलेक्सी एम15 5जी के भारतीय वेरिएंट की संभावित कीमत और संभावित रैम और स्टोरेज कॉन्फ़िगरेशन को लीक कर दिया है। उनका दावा है कि भारत में गैलेक्सी एम55 5जी की कीमत रुपये से शुरू होगी। एक अन्य पोस्ट में, टिप्स्टर ने सुझाव दिया है कि गैलेक्सी एम15 5जी भारत में 4जीबी + 128जीबी और 6जीबी + 128जीबी वेरिएंट्स में आएगा और इनकी कीमत क्रमशः 13,499 और 14,999 रुपये रखी जाएगी। टिप्स्टर ने उसी पोस्ट में कहा कि फोन का भारतीय वेरिएंट मीडियाटेक डायमेंसिटी 6100+ प्रोसेसर, 6.5-इंच 90 एचझेड फुल-एचडी+ सुपर अमोलेड डिस्प्ले, 50-मेगापिक्सल ट्रिपल रियर कैमरा यूनिट, 13-मेगापिक्सल सेल्फी कैमरा और 45 वॉट वायर्ड फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 6,000 एमएएच की बैटरी जैसे फीचर्स के साथ आ सकता है।

पूरे दक्षिण एशिया में विकास की दर 6 फीसदी रहेगीः वर्ल्ड बैंक

नई दिल्ली ।
भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर वैश्विक स्तर पर भी सकारात्मक रुझान हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक और अच्छी खबर आई है। वर्ल्ड बैंक ने अनुमान जताया है कि भारत में साल 2024 में अर्थव्व्स्था 7.5 फीसदी की दर से विकास करेगी। बता दें वर्ल्ड बैंक ने पहले ये अनुमान 6.3 ही रखा था जिसे अब बढ़ा कर 7.5 किया है। वर्ल्ड बैंक के हिसाब से पूरे दक्षिण एशिया में विकास की दर 6 फीसदी रहेगी। इसके साथ वर्ल्ड बैंक ने कहा है कि भारत में जिस तेज गति से विकास हो रहा है और देश की अर्थव्यवस्था जिस तरह से रफ्तार पकड़े हुए है ये काफी सकारात्मक है। साथ पड़ोसी देशों पाकिस्तान और श्रीलंका की अर्थव्यवस्थाओं में भी जिस तरह से पहले के मुकाबले सुधार हुआ है, ये सकारात्मक है। इन सभी कारणों की वजह से दक्षिण एशियाई देशों की कुल विकास दर तेज रहेगी। रिपोर्ट की मानें, तब आने वाले दो सालों दक्षिण एशियाई क्षेत्र में सबसे अधिक तेजी से विकास होगा। वहीं अगले साल यानी साल 2025 में भी दक्षिण एशियाई देशों की कुल विकास दर 6.1 फीसदी रहने का अनुमान है। देश की विकास दर के लिए सबसे अहम फैक्टर्स सर्विस सेक्टर और औद्योगिक विकास का होगा। वहीं बांग्लादेश की विकास दर को लेकर रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में बांग्लादेश में 5.7 प्रतिशत की विकास दर रहने की उम्मीद है। वहीं भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान और श्रीलंका जो इस समय वित्तीय संकट से परेशान हैं उनके लिए भी सुधार के संकेत रिपोर्ट में दिए गए हैं। वर्ल्ड बैंक के अनुमान के अनुसार, पाकिस्तान की विकास दर वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2.3 फीसदी रह सकती है। वहीं श्रीलंका में साल 2025 में विकास दर 2.5 फीसदी रहेगी।

बजाज ऑटो की घरेलू बिक्री सबसे अधिक

नई दिल्ली। बजाज ऑटो की घरेलू बिक्री में साल 2023-24 के दौरान पिछले साल की तुलना में 24.63 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है और यह 22.5 लाख वाहन बिक्री के साथ देश के चार प्रमुख दोपहिया विनिर्माताओं में सबसे अधिक रही है। मंगलवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। एलकेपी सिक्योरिटीज ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि धारणा में सुधार, मूल्य वृद्धि वहन करने, नए मॉडलों की शुरुआत तथा ग्रामीण बाजार में धीमे और स्थिर सुधार के कारण दोपहिया क्षेत्र में दमदार वृद्धि हुई है। दोपहिया क्षेत्र पिछले कुछ समय से उद्योग में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है।टीवीएस मोटर की घरेलू बिक्री साल 2023-24 के दौरान पिछले साल की तुलना में 21.52 प्रतिशत तक बढ़कर 31.5 लाख हो गई। देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन विनिर्माता हीरो मोटोकॉर्प की घरेलू बिक्री साल 2023-24 के दौरान पिछले साल के मुकाबले 5.13 प्रतिशत तक बढ़कर 54.2 लाख हो गई।

विश्व बैंक ने माना, भारतीय अर्थव्यवस्था 7.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी

नई दिल्ली । विश्व बैंक ने कहा है कि वित्त वर्ष 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। वर्ल्ड बैंक ने पहले के अनुमान में 1.2 प्रतिशत तक संशोधन किय है। नया अनुमान अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान देश की जीडीपी में 8.4 प्रतिशत की शानदार वृद्धि के बाद आई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि जनवरी-मार्च तिमाही में अर्थव्यवस्था 8 प्रतिशत की विकास दर से बढ़ने की राह पर है। हालांकि, वित्त वर्ष 2025 में विकास दर धीमी होकर 6.6 प्रतिशत होगी। मध्यम अवधि में, भारत में राजकोषीय घाटा और सरकारी ऋण में गिरावट का अनुमान है, जो मजबूत जीडीपी वृद्धि से समर्थित है। अप्रैल को जारी अपने नए अपडेट में विश्व बैंक ने दक्षिण एशिया के लिए स्वस्थ विकास दर की भविष्यवाणी की, जिसका श्रेय मुख्य रूप से भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था को जाता है। रिपोर्ट बताती है कि 2025 में 6.1 प्रतिशत की अनुमानित विकास दर के साथ अगले दो वर्षों तक दक्षिण एशिया सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र बनेगा। बांग्लादेश में 2024-25 में उत्पादन में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, जबकि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में 2.3 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। उधर श्रीलंका की जीडीपी में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुए। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती के अनुमान के चलते आज निवेशक काफी सावधान दिखे इससे भी बाजार पर दबाव पड़ा।

आज कारोबार के दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 0.04 फीसदी नीचे आकर 73,876.82 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 0.08 फीसदी गिरावट के साथ ही 22,434.65 के लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 2.6 फीसदी गिरा जबकि निफ्टी एफएमसीजी 0.46 फीसदी टूटा। निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयरों में 1.8 फीसदी की बढ़त रही।

वहीं पावर, फार्मास्युटिकल और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर की कंपनियों में तेजी रही। एसएंडपी बीएसई मिडकैप इंडेक्स इंट्राडे ट्रेड में लगभग 1 फीसदी की बढ़त के साथ 40,685.56 की नई ऊंचाई पर पहुंचा जबकि एसएंडपी बीएसई मिडकैप इंडेक्स लगातार तीसरे दिन बढ़त पर बंद हुआ। इसमें 3.5 फीसदी की बढ़ोतरी रही।

आज बैंक, आईटी, फाइनैंशियल सर्विसेज, मीडिया जैसे सेक्टर्स में बढ़ोतरी दर्ज की गयी। कंपनियों की बात की जाए तो शीर्ष पांच में श्रीराम फाइनैंस, एनटीपीसी, डिविस लैब , टीसीएस और टेक महिंद्रा के शेयर रहे।

वहीं नेस्ले इंडिया , बजाज ऑटो, डॉक्टर रेड्डी, कोटक बैंक और ब्रिटानिया के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही।

वहीं पिछले एक दशक में अमेरिकी ट्रेजरी का यील्ड करीब 14 बेसिस पॉइंट बढ़कर 4.34 फीसदी हो गया। इसके अलावा ताइवान में आए भूकंप की वजह से भी बाजार में गिरावट दर्ज की गयी। इसका कारण है कि चिप बनाने वाली ज्यादातर कंपनियां ताइवान में ही है और भूकंप के कारण आशंका है कि उसकी आपूर्ति में कमी आ सकती है। इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ खुला। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बिकवाली हावी होने से तीस शेयरों वाले बीएसई सेंसेक्स में 200 अंकों से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गयी। वहीं पचास शेयरों वाले एनएसई निफ्टी में भी तकरीबन 80 अंक की गिरावट रही। इस दौरान निफ्टी 22400 और सेंसेक्स 73700 के नीचे खिसक गया।

वहीं दुनिया भर के बाजारों से भी कमजोर संकेत मिले। इस दौरान गिफ्ट निफ्टी खिसककर करीब 22450 के पास पहुंच गया। दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो डाओ 396 अंक , नैस्डैक 156 अंक फिसल गया कच्चा तेल हालांकि 90 डॉलर के पास बरकरार रहा। इससे पहले गत दिवस भी बाजार नीचे आया था। अमेरिकी बाजारों के नीचे आने और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से भी बाजार में ये गिरावट रही।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड इस मामले में देश की पहली कंपनी बनी

मुंबई ।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने गुजरात के विशाल खावड़ा सोलर पार्क में 2,000 मेगावाट की सौर क्षमता स्थापित की है, जिसके साथ ही वह 10,000 मेगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वाली भारत की पहली कंपनी बन गई है। कंपनी ने बताया कि उसके पास अब 10,934 मेगावाट का परिचालन खंड है, जो भारत में सबसे अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में 2,848 मेगावाट नवीकरणीय क्षमता को स्थापित किया गया।

एजीईएल के परिचालन खंड में 7,393 मेगावाट सौर, 1,401 मेगावाट पवन और 2,140 मेगावाट पवन-सौर हाइब्रिड क्षमता शामिल है। कंपनी का 2030 तक 45 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित करने का लक्ष्य है। कंपनी के बयान में कहा गया, एजीईएल का 10,934 मेगावाट का परिचालन खंड 58 लाख से अधिक मकानों को बिजली देगा। इतना ही नहीं सालाना करीब 2.1 करोड़ टन सीओ2 (कार्बन डाइऑक्साइड) के उत्सर्जन से बचाएगा। अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा, हमें नवीकरणीय क्षेत्र में भारत का पहला दस हजारी होने पर गर्व है। उन्होंने कहा, एक दशक से भी कम समय में अडाणी ग्रीन एनर्जी ने न केवल एक हरित भविष्य की कल्पना की, बल्कि इसे साकार भी किया। स्वच्छ ऊर्जा का पता लगाने के एक विचार मात्र से बढ़कर स्थापित क्षमता में 10,000 मेगावाट की अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है. समूह प्रमुख अदाणी ने कहा,

2030 तक 45,000 मेगावाट (45 गीगावॉट) के लक्ष्य के तहत हम खावड़ा में दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र बना रहे हैं। खावड़ा 30,000 मेगावाट की एक परियोजना है जिसका वैश्विक स्तर पर कोई मुकाबला नहीं है। एजीईएल न केवल दुनिया के लिए मानक स्थापित कर रहा है बल्कि उन्हें नई सिरे से परिभाषित भी कर रहा है।''

मलेशिया एयरलाइंस और इंडिगो ने कोडशेयर साझेदारी की

नई दिल्ली । भारत और मलेशिया के बीच संपर्क को बेहतर बनाने के लिए मलेशिया एयरलाइंस और इंडिगो ने कोडशेयर साझेदारी के लिए प्रारंभिक समझौता कर लिया है। इंडिगो की ओर से कहा गया हैं, कि दोनों एयरलाइन के बीच समझौता लोगों को मलेशिया और भारत के बीच निर्बाध यात्रा के अधिक विकल्प प्रदान करेगा। बयान में कहा गया, इस सहयोग से इंडिगो संचालित उड़ानों पर मलेशिया एयरलाइंस विपणन वाहक के रूप में भारत के साथ अपने संपर्क को मजबूत करने में सक्षम होगी, जबकि इंडिगो ग्राहकों को मलेशिया एयरलाइंस के व्यापक नेटवर्क के जरिए दक्षिण पूर्व एशिया के अधिक गंतव्यों तक पहुंच स्थापित करने का मौका मिलेगा। इंडिगो ने कहा कि यह पारस्परिक व्यवस्था दोनों वाहकों को अपने ग्राहकों को निर्बाध संपर्क प्रदान करने की अनुमति देगी। इसके अलावा उन्हें अन्य सुविधाओं के बीच एकीकृत यात्रा कार्यक्रम का आनंद लेने में सक्षम बनाएगी। मलेशिया एयरलाइंस वर्तमान में नई दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोच्चि, अहमदाबाद, अमृतसर और तिरुवनंतपुरम सहित भारत के नौ प्रमुख केंद्रों के लिए 71 साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है। मलेशिया एविएशन ग्रुप के समूह प्रबंध निदेशक इजहाम इस्माइल ने कहा, '' भारत हमारा सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय बाजार है। भारत में नौ संचालित केंद्रों से परे अपनी पहुंच का विस्तार करने के लिए इंडिगो के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए खुशी हो रही है।

टाटा के शेयर में आई तेजी की वजह है बीएमडब्ल्यू के साथ हुई डील

नई दिल्ली।

देश की प्रमुख डिजिटल सर्विस कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज ने जर्मनी की दिग्गज कार कंपनी बीएमडब्ल्यू से हाथ मिलाया है। शेयर बाजार को दी सूचना में कंपनी ने कहा कि दोनों कंपनियां भारत में ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर और आईटी डेवलपमेंट सेंटर स्थापित करने के लिए एक ज्वाइंट वेंचर बनाएंगे। इस खबर के आने के बाद टाटा टेक्नोलॉजीज के शेयरों में तूफानी तेजी देखी गई। दोनों कंपनियों द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में बताया गया कि इस ज्वाइंट वेंचर का उद्देश्य भारत में ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर और आईटी डेवलपमेंट सेंटर बनाना है। दोनों कंपनियों के बीच समझौते में पुणे, बेंगलुरु और चेन्नई में यह सेंटर स्थापित करना शामिल है।

मंगलवार के इंट्राडे ट्रेड में बीएसई पर टाटा टेक्नोलॉजीज के शेयर 7.4 प्रतिशत बढ़कर 1,127 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए। हालांकि बाद में शेयर बढ़त को बनाए रखने में विफल रहे और कारोबार के अंत में 4.01 फीसदी की तेजी के साथ 1092.10 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बंद हुए। इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स 0.15 फीसदी यानी 110.64 अंक टूटकर 73,903.91 पर बंद हुआ।टाटा टेक्नोलॉजीज के सीईओ और एमडी वॉरेन हैरिस ने कहा, ज्वाइंट वेंचर बीएमडब्ल्यू ग्रुप के सॉफ्टवेयर और आईटी हब के ग्लोबल नेटवर्क का हिस्सा बन जाएगा। बीएमडब्ल्यू ग्रुप के साथ हमारा सहयोग दुनिया भर के ग्राहकों को ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर और डिजिटल इंजीनियरिंग में हाई क्वालिटी सॉल्यूशन प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, ज्वाइंट वेंचर ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर डिलिवर करेगा, जिसमें बीएमडब्ल्यू ग्रुप के प्रीमियम वाहनों के लिए सॉफ्टवेयर-परिभाषित वाहन सॉल्यूशन और इसके आईटी बिजनेस के लिए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सॉल्यूशन शामिल हैं। यह 100 इनोवेटर्स के साथ परिचालन शुरू करेगी और अगले वर्षों में तेजी से चार अंकों की संख्या तक बढ़ने का इरादा रखती है।''

एप्पल ने डेढ लाख लोगों को सीधे रोजगार दियाः मंत्री चंद्रशेखर

-देश का सबसे बड़ा ब्लू-कॉलर जॉब क्रिएटर बन गया

नई दिल्ली । साल 2021 में उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को मंजूरी मिलने के बाद से एप्पल ने 1,50,000 से अधिक लोगों को सीधे रोजगार दिया है, जिससे यह देश का सबसे बड़ा ब्लू-कॉलर जॉब क्रिएटर बन गया है। यह कहना है इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर का। केंद्र सरकार में राज्य मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिवर्तनकारी पीएलआई नीतियों के कारण कुल 4 लाख से अधिक नई नौकरियों के साथ लगभग 3 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आईफोन फैक्ट्रियां जून-सितंबर के बीच 10,000 से अधिक लोगों को सीधे तौर पर नौकरियां देने के लिए तैयार हैं। वित्त वर्ष 24 में आईफोन का उत्पादन फरवरी के एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया, जिसमें 70 प्रतिशत निर्यात और कुल बाजार मूल्य 1.6 लाख करोड़ रुपये था। केंद्रीय मंत्री ने बताया, आईओएस ऐप डेवलपमेंट अब 1 मिलियन से अधिक नौकरियों का समर्थन करता है। एप्पल ने अपने 50 मिलियन डॉलर के आपूर्तिकर्ता कर्मचारी विकास कोष के हिस्से के रूप में महिलाओं के स्वास्थ्य पर एक शिक्षा पहल शुरू की है।

शीर्ष इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग निकाय इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने पिछले महीने कहा था, भारत पिछले 10 वर्षों में 20 लाख करोड़ रुपये के मोबाइल फोन उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने के करीब है, जबकि यह चालू वित्त वर्ष में 1.20 लाख करोड़ रुपये के फोन निर्यात को पार कर गया है, जो एक दशक में निर्यात में 7,500 प्रतिशत की भारी वृद्धि है।

दुनिया के दो दर्जन बड़े ब्रांड भारत में लाएंगा लक्जरी प्रोडक्ट

नई दिल्ली।

स्वीडन के लाइफस्टाइल ब्रांड गैस्टन लुगा ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म एजियो लक्स, टाटा क्लिक लग्जरी और द ह्वाइट क्रो के जरिये देश में अपने उत्पादों की बिक्री शुरू की। इस साल भारतीय बाजार में दस्तक देने वाले संभावित ब्रांडों में स्पेन का फैशन ग्रुप टेंडम और फ्रांस का परिधान ब्रांड कियाबी शामिल हैं। वैश्विक परिधान ब्रांड डॉकर्स ने फरवरी में दिल्ली में अपना पहला भारतीय स्टोर खोला। उसने अगले दो वर्षों में देश में 20 स्टोर खोलने की योजना बनाई है। रियल एस्टेट सलाहकारों का कहना है कि लाइफस्टाइल एवं लक्जरी उत्पाद बेचने वाले करीब 25 अंतरराष्ट्रीय खुदरा ब्रांड इस साल भारतीय बाजार में दस्तक दे सकते हैं। उनका कहना है कि इससे कॉमर्शियल प्रॉपर्टी बाजार की मांग मजबूत होगी। ऐसे करीब तीन ब्रांड 2021 में भारत आए जबकि 2022 में ऐसे 11 ब्रांडों ने भारतीय बाजार में दस्तक दी थी। अनुमान है कि 2023 में करीब 24 अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों ने भारतीय बाजार में दस्तक दी जिन्हें खास तौर पर मध्य वर्ग ने आकर्षित किया। फ्रांस के फैशन एवं सुगंध ब्रांड मेजों माजिला ने जनवरी 2024 में शॉपर्स स्टॉप और लॉरियल इंटरनैशनल डिस्ट्रीब्यूशन के साथ साझेदारी के तहत मुंबई के जियो वर्ल्ड ड्राइव में एक स्टोर खोला। बाद में फरवरी में ब्रिटेन के मेन्सवियर ब्रांड चार्ल्स टिरिट ने अहमदाबाद में अपना पहला स्टोर खोला।फ्रांस के लक्जरी समूह एसएमसीपी ने रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड के साथ साझेदारी के तहत इस साल भारत में अपने दो लेबल- सैंड्रो और माजे- को उतारने की योजना बनाई है। अंतरराष्ट्रीय रियल एस्टेट कंपनी सीबीआरई के चेयरमैन एवं मुख्य कार्याधिकारी (भारत, दक्षिणपूर्व एशिया, पश्चिम एशिया एवं अफ्रीका) अंशुमन मैगजीन ने कहा, 'साल 2024 के दौरान कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय लक्जरी फैशन ब्रांडों के संभावित आगमन के साथ भारतीय खुदरा बाजार के परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव होने जा रहा है।' उन्होंने कहा, 'ब्रियोनी, रॉबर्टो कैवली और डनहिल जैसे चर्चित ब्रांड देश में हाईएंड फैशन की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपने स्टोर खोल सकते हैं।'

सोने और चांदी की कीमतों में आया उछाल

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। इन दोनो ही कीमती धातुओं की वायदा भाव में आज बढ़त रही। दोनों के वायदा भाव की आज तेज शुरुआत हुई। इससे सोने के वायदा 70 हजार रुपये की और बढ़ रहे हैं। वहीं चांदी 78 हजार रुपये से ऊपर पहुंच गयी है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी आज सोने और चांदी की वायदा कीमतों में तेजी रही। इसके साथ ही सोने के भाव शीर्ष स्तर पर पहुंच गये। इसके साथ ही चांदी की कीमतों में भी बढ़त आई है। सोने के वायदा भाव आज तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध आज 309 रुपये बढ़कर 69,309 रुपये के स्तर पर खुला। यह अनुबंध 470 रुपये की तेजी के साथ 69,398 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एक समय ये 69,432 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 69,309 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। सोने का अप्रैल अनुबंध सोमवार को 69,487 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी आज बढ़त

पर हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध आज 163 रुपये बढ़कर 77,189 रुपये के भाव पर खुला। पिछले साल दिसंबर महीने में चांदी के वायदा भाव 78,549 रुपये किलो के भाव पर पहुंच गए थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,301.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इस पिछला बंद भाव 2,281.80 डॉलर था। ये 24 डॉलर की तेजी के साथ 2,305.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,308.80 डॉलर के भाव पर उच्च स्तर हासिल किया। वहीं कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 26.26 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 25.92 डॉलर था।

पूरन की आतिश पारी , 106 मीटर लंबा छक्का लगाया

बेंगलुरु । लखनऊ सुपरजायंट्स के बल्लेबाज निकोल्स पूरण ने यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले में आतिशी पारी खेलकर प्रशंसकों का खासा मनोरंजन किया। पूरन ने 10 गेंदों पर 5 छक्के लगाये। उनका लगाया एक छक्का 106 मीटर दूर जाकर गिरा। पूरन ने इस प्रकार आरसीबी के खिलाफ केवल 10 गेंदों पर ही 5 छक्के लगा दिये। पूरन ने बल्लेबाजी के दौरान रीस टॉपले की गेंदों पर लगातार तीन छक्के मारे। पूरन अब प्रति गेंद छक्के मारने के मामले में एक विशेष क्लब में शामिल हो गये हैं। इसमें वह आंद्रे रसेल के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। पूरन आईपीएल में हर 8.6 गेंद पर छक्का लगाते हैं। वहीं रसेल हैं हर 6.6 गेंद पर छक्का लगाकर उनसे आगे हैं। इस सूची में क्रिस गेल 9.3, किरोन पोलार्ड 10.4 और ग्लेन मैक्सवेल 11.0 भी शामिल हैं। इस विशेष सूची में कोई भी भारतीय बल्लेबाज नहीं है। पूरन ने यहां अबतक 3 ही मुकाबले खेले हैं जिसमें 68 गेंदों पर उन्होंने 148 रन बनाये हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 217 रना है। वह मैदान पर प्रत्येक चार गेंद के बाद छक्का लगा रहे हैं। पूरन ने केवल 62 पारियों में ही आईपीएल में 100 छक्के पूरे कर लिए हैं। मध्यक्रम में खेलते ये रिकार्ड शानदार माना जा सकता है। उनके नाम अब 103 छक्के हो गये हैं। इस सूची में शीर्ष पर अभी भी क्रिस गेल बने हुए हैं जिन्होंने 357 छक्के लगाए हैं।

आईपीएल 2024

पंजाब किंग्स का सामना आज गुजरात टाइटंस से होगा

अहमदाबाद ।

आईपीएल में गुरुवार को कप्तान शिखर धवन की पंजाब किंग्स का सामना शुभमन गिल की गुजरात टाइटंस से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। पंजाब को पिछले मैच में लखनऊ सुपरजायंटस् के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में वह इस मैच में दबाव में रहेगी। ऐसे में उसके बल्लेबाजों को इस मैदान की धीमी पिच पर गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों के सामने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। पंजाब किंग्स को अब तक अपने दो मुकाबलों में हार मिली है। ऐसे में उसके लिए ये मैच जीतना जरुरी है। अगर इस मैच में भी वह हारती है तो उसकी आगे की राह कठिन हो जाएगी। वहीं दूसरी ओर गुजरत टाइटंस ने पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को हराया था। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। उसके गेंदबाजों ने अब तक काफी प्रभावी प्रदर्शन किया है।

पंजाब किंग्स की टीम को इस मैच में गुजरात के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहित शर्मा से चुनौती मिलेगी। अब देखना है कि पंजाब के बल्लेबाज किस प्रकार मोहित का सामना करते हैं। मोहित की गेंदबाजी में विविधत है, अब तक उनका इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा रहा है। वह नकल बॉल, धीमे बाउंसर और वाइड यार्कर का काफी अच्छा इस्तेमाल करते हैं। इस बार वैसे भी अच्छी धीमी गेंदबाजी करने वाले गेंदबाज अधिक सफल रहे हैं। इससे पंजाब के शिखर धवन, जॉनी बेयरस्टो और जितेश शर्मा जैसे बल्लेबाजों के लिए उनका सामना आसान नहीं रहेगा। इस मैच में पंजाब को लियाम लिविंगस्टोन के बिना ही उतरना पड़ सकता है। लिविंगस्टोन पिछले मैच में चोटिल हो गये थे। अगर ऐसा होता है तो पंजाब की परेशानी बढ़ जाएगी।

पंजाब की टीम को इसके अलावा स्टार स्पिनर राशिद खान और नूर अहमद का भी सामना करना होगा। इसके अलावा ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजई भी पंजाब किंग्स की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। पंजाब को बल्लेबाजी के अलावा गेंदबाजी में भी परेशानी है। उसके पास अंतिम ओवरों के लिए कोई प्रभावी गेंदबाज नहीं है। उसके डेथ ओवरों के गेंदबाज हर्षल पटेल ने इस सत्र में अब तक काफी रन दे दिये हैं। वहीं राहुल चाहर ने भी काफी निराश किया है। इसके अलावा यॉर्कर विशेषज्ञ अर्शदीप सिंह भी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जिसने पंजाब की मुश्किलों को बढ़ा दिया है। वहीं गुजरात ने पिछले मैच में गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था जिससे वह जोश के साथ उतरेगी। उसकी बल्लेबाजी में हालांकि निरंतरता की कमी है पर गेंदबाजी इकाई को प्रदर्शन अच्छा रहा है जिससे उसका पलड़ा भारी लगा रहा। कुल मिलकार देखा जाये तो गुजरात का पलड़ा भारी नजर आ रहा है।

ब्रेसवेल की कप्तानी में पाकिस्तान दौरे पर जाएगी न्यूज़ीलैंड टी20 टीम

क्राइस्टचर्च ।

अनुभवी ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल की कप्तानी में न्यूजीलैंड टीम टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान दौरे पर जाएगी। कीवी टीम को इस दौर में 17 से 27 अप्रैल तक पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। ब्रेसवेल पहली बार अपनी टीम की कप्तानी करते हुए नजर आयेंगे। वह पिछले साल मार्च से चोटिल होने के कारण ही टीम से बाहर थे। चोट से उबरने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की है। न्यूजीलैंड के चयनकर्ता सैम वेल्स ने कहा कि ब्रेसवेल ने पिछले साल चोट से उबरने के लिए काफी धैर्य और समर्पण दिखाया था। वेल्स ने कहा, ब्रेसवेल को लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ा है और उसे फिर से क्रिकेट खेलते हुए देखना बेहद रोमांचक होगा। एड़ी की चोट के बाद भी वह फिर से अच्छा खेल रहे हैं, यह उनकी कड़ी मेहनत के ही कारण संभव हुआ है। वह एक अच्छा लीडर हैं। उनके पास वेलिंगटन के साथ-साथ न्यूजीलैंड ए और न्यूजीलैंड इलेवन टीमों की कप्तानी का भी अनुभव है, जिससे हमारा मानना है कि वह

पाकिस्तान में टीम का नेतृत्व करने के लिए एक अच्छा विकल्प रहेगा। ब्रेसवेल उस टीम का नेतृत्व करेंगे जिसमें अनुभवी टी20 खिलाड़ी शामिल होंगे, जिसमें पिछले टी20 विश्व कप टीम के सात सदस्य शामिल हैं। साथ ही दो युवा खिलाड़ी टिम रॉबिन्सन और विलियम ओरूर्के को पहली बार टी20 टीम में शामिल किया गया है।

पाकिस्तान दौरे के लिए न्यूजीलैंड टीमः

माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, जोश क्लार्कसन, जैकब डफी, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, बेन लिस्टर, कोल मैककोनी, एडम मिल्ने, जिमी नीशम, विल ओरूर्के, टिम रॉबिन्सन, बेन सियर्स, टिम सेफ़र्ट, ईश सोढ़ी

डी कॉक ने बनाये कई अहम रिकार्ड , आईपीएल में 3000 रन भी पूरे किये

बेंगलुरु ।

लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अर्धशतक लगाते ही कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। डी कॉक ने अपनी 81 रनों की पारी के साथ ही 22 वां अर्धशतक लगाया। इसके अलावा उन्होंने आईपीएल में अपने 3000 रन भी पूरे किये। डीकॉक के नाम पर अब 99 मैचों में 3046 रन हो चुके हैं। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत को पीछे छोड़ा। ऋषभ के नाम 101 मैच में अब तक 2935 रन हैं। वहीं आईपीएल में सबसे अधिक 5162 दक्षिण अफ्रीका के ही ए बी डिविलियर्स के नाम हैं जबकि दूसरे नंबर पर उनके ही हमवतन फाफ डु प्लेसिस हैं। डु प्लेसिस के नाम 4180 रन हैं। वहीं डीकॉक तीसरे नंबर पर हैं। इसके अलावा डीकॉक ने आईपीएल में 98 मैच खेलकर 116 छक्के लगाए हैं। अभी आईपीएम में सबसे अधिक छक्के का रिकार्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम है। गेल ने अबतक 357 छक्के लगाए हैं। वहीं रोहित के नाम 261 जबकि दक्षिण अफ्रीका के ही एबी डीविलियर्स के नाम 251 छक्के हैं। डीकॉक ने आईपीएल करियर के 99 मैचों में 32 की औसत और 134 की स्ट्राइक रेट के साथ 3046 रन बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने 22 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के ही फाफ डु प्लेसिस के नाम आईपीएल में 33 जबकि एबी डीविलियर्स के नाम 40 अर्धशतक हैं।

आईपीएल में एक-दो मैच ही खेल पाये ये क्रिकेटर

मुम्बई ।

आईपीएल में खेलना भारतीय ही नहीं दुनिया भर के क्रिकेटरों का सपना रहा है। इसका कारण इस लीग में मिलने वाली मोटी रकम के साथ ही बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर है। इसके अलावा इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अपने देश की ओर से खेलने का भी अवसर मिलता है। 2008 से प्रारंभ हुए इस टूर्नामेंट में खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। आईपीएल 2024 में भी दुनियाभर के कई मशहूर क्रिकेटर इसमें खेल रहे हैं पर सभी इतने खुशकिस्मत नहीं रहे हैं। कई क्रिकेटर इसमें कुछ मैचों के खेलने के बाद ही गायब हो गये और उन्हें वापसी का अवसर ही नहीं मिल पाया।

ऐसे खिलाड़ियों में रोहन गावस्कर , डेमियन मार्टिन ब्रेड हेडिन आदि खिलाड़ी हैं।

रोहन गावस्कर : महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर के बेटे रोहन गावस्कर अपने करियर में अधिक सफल नहीं रहे। भारत के लिए उन्होंने केवल 11 एकदिवसीय मैच खेले। आईपीएल के 2010 सत्र में कोलकाता नाइटराइडर्स टीम की ओर से उन्होंने खेला पर वह केवल दो मैच ही खेल पाए और केवल 2 रन उनके बना पाये। इसके बाद उन्हें आगे अवसर नहीं मिला।

डेमियन मार्टिन : ऑस्ट्रेलिया के डेमियन मार्टिन एक बेहतरीन क्रिकेटर रहे हैं। 2003 के वर्ल्डकप के फाइनल में भारत के खिलाफ भी उन्होंने 88 रन की जोरदार पारी खेली थी पर इसके बाद भी मार्टिन की आईपीएल में केवल एक मैच ही खेल पाये। 2010 के सत्र में राजस्थान रॉयल्स टीम की ओर से उन्होंने महज एक मैच खेला, इसमें उन्होंने 19 रन बनाए थे। इसके बाद उन्हें अवसर नहीं मिला।.

ब्रेड हेडिन : ऑस्ट्रेलिया के ब्रेड हेडिन सीमित ओवर के अच्छे बल्लेबाज माने जाते थे। एकदिवसीय में उनका स्ट्राइक रेट 84.24 और टी20I में 114.52 का रहा है। आईपीएल 2011 में कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम ने उन्हें अपने साथ जोड़ा था लेकिन वे एक मैच ही खेल सके। आरसीबी के खिलाफ इस मैच में हेडिन ने 163.64 के स्ट्राइक रेट से 11 गेंदों पर 18 रन बनाए थे पर इसके बाद टूर्नामेंट में कोई मैच नहीं खेल सके।

मशरफे मुर्तजा : बांग्लादेश के कप्तान रहे मशरफे मुर्तजा एक अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज रहे हैं पर वह आईपीएल में केवल एक मैच ही खेल पाये।. अपनी कप्तानी में बांग्लादेश को कई जीत दिलाने वाले मशरफे को आईपीएल 2009 में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम में जगह मिली। आईपीएल के अपने एकमात्र मैच में वह चार ओवर में एक भी विकेट नहीं ले पाये। इसके बाद उन्हें आगे अवसर नहीं मिला।

मोहम्मद अशरफुल : बांग्लादेश के ही मोहम्मद अशरफुल भी काफी अच्छे बल्लेबाज माने जाते थे। आईपीएल 2009 में मुंबई इंडियंस ने अशरफुल को अपने साथ जोड़ा था लेकिन वे केवल एक मैच खेल सके।

इस मैच में 10 गेंदों पर महज दो रन बनाने के कारण उन्हें आगे किसी मैच में नहीं खिलाया गया। अशरफुल पर वर्ष 2013 में बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के दौरान फिक्सिंग का आरोप लगा था।

जांच के बाद उन्हें दोषी पाये जाने पर 8 साल के लिए प्रतिबंध लगा गया जिससे उनके आईपीएल में आगे खेलने की संभावना समाप्त हो गयी।

संक्षिप्त समाचार

मैं दिल्ली से ही खेलना चाहता हूं : मयंक

नई दिल्ली । लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से उतरते हुए आईपीएल के अब तक के अपने दोनो ही मैच में धूम मचाने वाले तेज गेंदबाज मयंक यादव ने कहा है कि वह दिल्ली के है और यहीं से खेलना चाहते हैं। मयंक का प्रदर्शन देखकर प्रशंसकों को उम्मीद है कि उन्हें शीघ्र ही देश की ओर से खेलने का अवसर मिलेगा। आईपीएल में सबसे तेज गेंद फेंकने वाले मयंक घरेलू क्रिकेट में दिल्ली की ओर से खेलते हैं। मयंक यादव आईपीएल इतिहास में एकमात्र गेंदबाज हैं, जिन्होंने 155 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से 3 गेंदें फेंकी हैं। वह भी आईपीएल में डेब्यू करने के 3 दिन के अंदर। यही कारण है कि उनके इस प्रदर्शन से बिहार में भी खुशी की लहर है। इसका कारण ये है कि ये मयंक का परिवार यहां के सुपौल इलाके का पर मयंक अपने को दिल्ली का ही लड़का मानते हैं। मयंक घरेलू क्रिकेट में दिल्ली के लिए खेलते हैं। उनको दिल्ली की टीम में जगह मिलने की कहानी भी दिलचस्प है। दरअसल, मयंक के पिता प्रभु यादव दिल्ली की एक फैक्ट्री में काम करते हैं। इसलिए मयंक की पढ़ाई-लिखाई दिल्ली में ही हुई। क्रिकेट भी उन्होंने यहीं के सोनेट क्लब में खेलकर सीखा। . उनके शुरुआती कोच तारक सिन्हा थे। ये वही तारक हैं जो शिखर धवन से लेकर ऋषभ पंत के भी कोच रहे थे। साल 2020 में मयंक दिल्ली की टीम में जगह नहीं बना सके थे। इसके बावजूद उन्होंने सर्विसेज की ओर से खेलन का प्रस्वाक ठुकरा दिया था। मयंक ने कहा कि मैं दिल्ली से खेलना चाहता था। इसलिए मैंने सर्विसेज का प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया। मैं कोच तारक सिन्हा के पास भागा और बोला कि सर मैं दिल्ली का लड़का हूं और यहीं से खेलना हूं। इसके बाद मयंक को 2021 में दिल्ली की टीम के लिए अवसर मिला। उन्होंने शिखर धवन की कप्तानी में अपना पहला लिस्ट ए मैच खेला।

विराट का विकेट लेने वाले सिद्धार्थ का धरेलू क्रिकेट में रहा है शानदार रिकार्ड

बेंगलुरु । आईपीएल में आरसीबी के सबसे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के 100 टी20 मैच का जश्न समाप्त करने वाले गेंदबाज तमिलनाडु के स्पिनर मनिमारन सिद्धार्थ हैं। लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ आरसीबी के मैच में सिद्धार्थ ने 3 ओवर गेंदबाजी करते हुए 23 रन देकर 1 विकेट लिया। सिद्धार्थ ने अपने दूसरे ही आईपीएल मैच में ये उपलब्धि अपने नाम की है। इस गेंदबाज ने अपने करियर का पहला विकेट विराट कोहली का लिया है। लखनऊ के अलावा सिद्धार्थ दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम में भी रहे हैं पर उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला। लखनऊ ने सिद्धार्थ को उनके आधारमूल्य 20 लाख रुपये में खरीदा है। घरेलू क्रिकेट में भी सिद्धार्थ का प्रदर्शन शानदार रहा है। अपनी घरेलू टीम तमिलनाडु की ओर से सिद्धार्थ ने 7 फर्स्ट क्लास और 17 लिस्ट ए मैच में खेला है। फर्स्ट क्लास में सिद्धार्थ ने 27 और लिस्ट ए में 26 विकेट लिए हैं। लखनऊ के लिए सिद्धार्थ मैच में 5वां ओवर करने आए थे। ओवर की पहली ही गेंद पर विराट ने लेग साइड में शॉट लगाने का प्रयास किया पर गेंद बैकवर्ड पॉइंट की दिशा लहरा गई और देवदत्त पड्डीकल ने एक शानदार कैच पकड़ लिया। इस तरह विराट 16 गेंद में 22 रन बनाकर आउट हुए।

लखनऊ बेंगलुरू को हराकर शीर्ष चार टीमों में पहुंची,मुम्बई है सबसे नीचे

मुम्बई ।

केएल राहुल की कप्तानी वाली लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ मिली जीत के साथ ही आईपीएल 2024 की अब तक की शीर्ष चार टीमों में पहुंच गयी है। सुपरजायंट्स की टीम के इस मैच में जीत के साथ ही के अंक तालिका में बदलाव आया है। वहीं शुभमन गिल की कप्तानी में उतरी गुजरात टाइटंस की टीम पांचवें नंबर पर फिसल गयी है। वहीं अपने तीनों मैच हारी मुंबई इंडियंस की टीम अंकतालिका में सबसे नीचे दसवें नबर पर खिसक गयी है। संजू सैमसन की राजस्थान रॉयल्स की टीम अपने तीनो मैच जीतकर अंक तालिका में नंबर एक पर है। वहीं कोलकाता नाइटराइडर्स, चेन्नई सुपरकिंग्स, लखनऊ सुपरजायंट्स और गुजरात टाइटंस ने इस टी20 लीग में 2-2 मैच जीते हैं और इन सभी के 4-4 अंक हैं पर बेहतर रनरेट के आधार पर कोलकाता दूसरे, चेन्नई तीसरे, लखनऊ चौथे और गुजरात पांचवें नंबर पर है।

अपने पहले खिताब के लिए उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू, पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीमें टूर्नामेंट में अभी तक केवल एक-एक मैच जीत कर अंक तालिका में 2-2 अंक के साथ ही काफी पीछे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के भी एक जीत से दो अंक हैं। बेहतर रनरेट के आधार पर हैदराबाद छठे, दिल्ली सातवें और पंजाब किंग्स आठवें नंबर पर है। आरसीबी की टीम लखनऊ से हारकर नौवें नंबर पर फिसल गई है। इस आईपीएल सत्र में अब तक सबसे खराब प्रदर्शन मुंबई इंडियंस का रहा है और वह एक भी मैच नहीं जीतने के कारण सबसे पीछे दसवें नंबर पर है।

आर्चर फिट हुए , टी20 विश्व कप से वापसी करेंगे

लंदन । इंग्लैंड के रहस्यमयी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर फिट हो गये हैं और उनके जून में होने वाले टी20 विश्वकप से वापसी की उम्मीदें हैं। आर्चर चोटिल होने के कारण पिछले काफी समय से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर रहे हैं। आर्चर अभ्यास के दौरान बेहद तेज गति से गेंदबाजी कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि वह टी20 विश्व कप में खेलने के लिए तैयार हैं। आर्चर की काउंटी टीम ससेक्स के कोच पॉल फारब्रेस ने कहा कि यह 29 वर्षीय तेज गेंदबाज इंग्लैंड के ओली रॉबिंसन और वेस्टइंडीज के जेडन सील्स के साथ गेंदबाजी का अभ्यास कर रहे हैं और उनकी योजना उन्हें टी20 विश्व कप के लिए तैयारी करना है। फारब्रेस ने कहा, 'पिछले सप्ताह अभ्यास के दौरान पहले ओलिवर रॉबिंसन और फिर जेडन ने गेंदबाजी की। इनके बाद जोफ्रा गेंदबाजी के लिए आए और उन्होंने असाधारण गति से गेंदबाजी की। उन्होंने कहा, 'अभी उनकी योजना बिल्कुल साफ है। वह आर्चर को टी20 विश्व कप के लिए तैयार करना चाहते हैं। साथ ही कहा कि मैंने जो देखा उसी के बारे में बात कर रहा हूं। वह असाधारण गति से गेंदबाजी कर रहा है और वह अच्छी तरह से बल्लेबाजी ही कर रहा है।

आरसीबी घरेलू मैदान में लगातार दूसरा मैच हारी , हार के रहे कई कारण

बेंगलुरु ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अपने घरेलू स्टेडिमम में इस सत्र में लगातार दूसरी बार हार का सामना करना पड़ा है। आईपीएल में एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी आरसीबी की इसबार भी किस्मत साथ देती नहीं दिख रही। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अपने घरेलू मैदान में हमेशा ही टीमें हावी रहती हैं पर आरसीबी यहां भी हार रही है। वह लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑलआउट हो गयी। इसी मैच में लखनऊ ने 181 रन बनाए थे पर आरसीबी की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 153 रन ही बना पाई। आरसीबी की हार का एक कारण मोहम्मद सिराज की खराब गेंदबाजी रही। सिराज हमेशा ही टीम के लिए विकेट लेते रहे हैं पर इस बार वह असफल रहे। वह पिछले 4 मुकाबलों में प्रभावी नहीं रहे। सिराज 4 मैचों में केवल 3 विकेट ही ले पाये हैं। वहीं लखऊ की ओर से डी कॉक की बेहतरीन पारी से भी मैच आसीबी के हाथों से फिसल गया। आरसीबी के गेंदबाज डीकॉक के सामने विवश दिखे। डीकॉक ने 8 चौके और 5 छक्कों की मदद से 81 रन बनाए। बेंगलुरु ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 153 रन बनाए। वह जीत से महज 28 रन पीछे रह गए। लखनऊ की ओर से निकोल्स पूरन ने अंतिम 2 ओवरों में 5 छक्के लगाकर स्कोर 180 पार लगाया था, यही आरसीबी की हार का कारण बने। इसने आसीबी को एक बड़ा लक्ष्य मिला और वह दबाव में आ गयी। कप्तान फाफ डु प्लेसिस और ग्लेन मैक्सवेल का खराब फार्म भी आरसीबी की हार का एक कारण रहा। डुप्लेसिस ने सीजन में चेन्नई के खिलाफ 35, पंजाब के खिलाफ 3, कोलकाता के खिलाफ 8 तो अब लखनऊ के खिलाफ 19 रन ही बनाए। इसी तरह ग्लेन मैक्सवेल चेन्नई के खिलाफ 0, पंजाब के खिलाफ 3, कोलकाता के खिलाफ 28 तो अब लखनऊ के खिलाफ 0 रन ही बना पाए हैं, जोकि उनका प्रभावी प्रदर्शन नहीं कहा जा सकता है। इसके अलावा युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव की तेज गेंदबाजी से भी अंतर पैदा हुआ क्योंकि मयंक ने 4 ओवर में महज 14 रन देकर 3 विकेट लेकर आरसीबी की कमर तोड़ दी।

चैम्पियंस लीग टी20 क्लब चैम्पियनशिप फिर शुरु होनो की संभावना

बीसीसीआई, सीए ओर ईसीबी कर रहे बातचीत

मुंबई ।

पिछले एक दशक से बंद चल रही चैम्पियंस लीग टी20 क्लब क्रिकेट चैम्पियनशिप एक बार फिर शुरु हो सकती है। इसको लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) और इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से बातचीत जारी है। अंतिम बार ये चैम्पियनशिप 2014 में हुई थी। तब चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर खिताब जीता था। उस समय भारत से तीन जबकि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका से 2-2 और पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड से एक एक टीम इसमें शामिल हुई थी। चैम्पियंस लीग में 2009-10 और 2014-15 के बीच छह सत्र खेले गए थे। इसमें से चार भारत में और दो दक्षिण अफ्रीका में हुए थे। इस दौरान सीएसके ने और मुंबई इंडियंस ने दो बार खिताब जीता जबकि ऑस्ट्रेलिया की न्यू साउथ वेल्स और सिडनी सिक्सर्स ने एक एक बार खिताब अपने नाम किया था। । इस टूर्नामेंट को लेकर क्रिकेट विक्टोरिया के सीईओ निक कमिंस ने कहा कि अति व्यस्त क्रिकेट कैलेंडर में इसके लिये जगह बनाना असान नहीं होगा। भारत में मेलबर्न क्रिकेट अकादमी को लांच करने के अवसर पर उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि चैम्पियंस लीग समय से पहले की पहल थी। उस समय टी20 क्रिकेट इतना ज्यादा नहीं चला था पर अब ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा, 'सीए , ईसीबी और बीसीसीआई इसे फिर शुरू करने पर बात कर रहे हैं। इसके लिए आईसीसी के व्यस्त कार्यक्रम में समय तलाशना बेहद कठिन रहेगा।

मुस्तफिजुर बांग्लादेश लौटे, सीएसके की ओर से अगला मैच नहीं खेल पायेंगे

नई दिल्ली । सीएसके को आगामी मैच में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के बिना ही उतरना होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार मुस्तफिजुर आगामी टी20 विश्व कप 2024 के लिए अमेरिकी वीजा हासिल करने के लिए स्वदेश लौट गए हैं। टी20 विश्व कप 1 जून से शुरू होगा। सीएसके को शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है। मुस्तफिजुर के रविवार या सोमवार तक भारत वापस लौटने की उम्मीद है, हालांकि यह इस पर निर्भर करेगा कि उन्हें अपना पासपोर्ट कब वापस मिलता है। मुस्तफिजुर की जगह सीएसके किसे शामिल करती है ये अब देखना होगा। एक रिपोर्ट में बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशन के अध्यक्ष जलाल यूनुस ने कहा, मुस्तफिजुर अमेरिकी वीजा के लिए आईपीएल से मंगलवार रात लौटे हैं। वह कल 4 अप्रैल को अमेरिकी दूतावास में अपना फिंगरप्रिंट देंगे और बाद में सीएसके में शामिल होने के लिए भारत वापस लौट जाएंगे। साथ ही ये भी कहा कि वह केवल अप्रैल के अंत तक आईपीएल में खेल सकेंगे क्योंकि उन्हें जिम्बाब्वे के खिलाफ 3 मई से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले राष्ट्रीय टीम में शामिल होना है। यूनुस ने कहा, टूर्नामेंट के लिए उनकी एनओसी 30 अप्रैल तक रहेगी और हमें उम्मीद है कि वह इसके बाद आईपीएल से वापस आ जाएंगे। मुस्तफिजुर सीएसके के प्रमख गेंदबाजों में शामिल रहे हैं। वो अभी तीन मैचों में सात विकेट लेकर पर्पल कैप की सूची में शीर्ष पर हैं। उन्होंने आरसीबी के खिलाफ टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में चार विकेट लिए थे। इसके बाद उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में 2 विकेट लिए पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में वह असफल रहे।

169-बारडोली विधानसभा बीएलओ ने गुजरात इको टेक्सटाइल पार्क, पलसाना में मतदाता जागरूकता बैठक आयोजित की

सूरत। आगामी लोकसभा आम चुनाव-2024 के तहत गुजरात इको टेक्सटाइल पार्क, पलसाना में 169-बारडोली विधानसभा के बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के साथ बैठक आयोजित की गई। लोकतंत्र की भावना से "चुनाव का पर्व" के उत्सव में अधिकतम मतदान और अधिकतम लोगों की भागीदारी के उद्देश्य से टर्नआउट कार्यान्वयन योजना (टीआईपी) के नोडल अधिकारी और डिप्टी मुन. आयुक्त डॉ.राजेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में कडोदरा जीआईडीसी के 60 से अधिक संगठन/कंपनियां/पीढ़ी/संघ नेता उपस्थित थे।बैठक में सहायक नगर आयुक्त एवं नोडल अधिकारी (स्विप) श्री अजय एच. भट्ट ने पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सभी बीएलओ से अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने की अपील की। साथ ही चुनाव के दिन वेतन की घोषणा के संबंध में कानून के प्रावधानों पर मार्गदर्शन दिया गया। इसके अलावा, श्रम विभाग, दिवस आयुक्त श्री एम.सी. करिया, शासकीय श्रम अधिकारी श्री आर.एस. गमीत, दिवस निदेशक (कारखाना औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य) श्री के.ए. रावत द्वारा पूर्व में मतदान केन्द्र पर जहां 50त्न से कम मतदान हुआ हो। वहीं, जहां पुरुष एवं महिला मतदाताओं के मतदान प्रतिशत में 10% से अधिक का अंतर है, वहां जन जागरूकता पैदा करने और अधिकतम मतदान सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त प्रयास करने का अनुरोध किया गया। साथ ही कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ने अनिवार्य मतदान की सामूहिक शपथ ली।

सूरत जिले में 'सहपरिवार मतदान' का संदेश देने के लिए स्कूली छात्रों को प्रतिज्ञा पत्र का वितरण

सूरत। आगामी लोकसभा आम चुनाव-2024 में टर्नआउट कार्यान्वयन योजना (टीआईपी) के हिस्से के रूप में, चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने और 'कोई भी मतदाता पीछे न छूटे' के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए जिले में विभिन्न प्रकार के मतदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

जिसके तहत सूरत जिले के विभिन्न स्कूलों में बच्चों से उनके अभिभावकों को मतदान के लिए प्रतिबद्ध करने के लिए 'मैं वोट करूंगा' संकल्प पत्र भरवाए जा रहे हैं। विद्यार्थी अभिभावकों को नियमित मतदान करने का संकल्प दिला रहे हैं।

स्कूली छात्रों के माध्यम से परिवार के सभी सदस्यों को 'सह-परिवार मतदान' का संदेश देने और महिलाओं को नियमित रूप से मतदान सुनिश्चित करने के नेक इरादे से जिला चुनाव प्रणाली द्वारा सभी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल के बच्चों को प्रतिज्ञा पत्र जारी किए जाते हैं। ताकि बच्चे का परिवार और खासकर घर की महिला-मां वोट देने के लिए संकल्पित हो जाएं। और महिलाएं अधिक से अधिक मतदान में भाग लें। विद्यालयों में विद्यार्थियों को "मैं मतदान अवश्य करूँगा" नारे के साथ दिये गये प्रतिज्ञा पत्र अभिभावकों के हस्ताक्षर लेकर/कराकर वापस किये जाते हैं। जिसका मुख्य उद्देश्य भावी मतदाताओं और उनके अभिभावकों को मतदान के नैतिक कर्तव्य के प्रति जागरूक करना है ताकि लोकतंत्र की प्रक्रिया को मजबूत और अधिक सफल बनाया जा सके।

ओएनजीसी ने दक्षिण गुजरात के युवाओं के लिए यातायात प्रबंधन प्रशिक्षण आयोजित किया

सूरत। ओएनजीसी हजीरा प्लांट, सूरत अपनी सीएसआर पहल-सामाजिक उत्तरदायित्व ईएसआर के तहत। फाउंडेशन, वडोदरा के सहयोग से दक्षिण गुजरात के वंचित युवाओं के लिए यातायात प्रबंधन प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। जिसमें युवाओं को यातायात नियंत्रण, सड़क सुरक्षा, विभिन्न यातायात नियमों का प्रशिक्षण दिया गया। जेसीपी (यातायात), श्री एच.आर. चौधरी के साथ डीसीपी (यातायात), श्रीमती अमिता वनानी और एसीपी (यातायात) श्री एम.एस. शेख उपस्थित थे रोजगार और सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण देने के कंपनी के नेक इरादे की सराहना की।

श्री एच.आर.चौधरी ने सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए आम लोगों की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान ओएनजीसी हजीरा प्लांट के मुख्य महाप्रबंधक आलोक कुमार, सीएसआर समन्वयक योगेश चंद्र पटेल और प्रभारी (सीएसआर) श्री राजेंद्र कुमार मिश्रा उपस्थित थे। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद सीएसआर के तहत ओएनजीसी द्वारा सूरत ट्रैफिक पुलिस ब्रिगेड के प्रशिक्षुओं को वर्दी और संसाधन किट वितरित किए गए।

लाइज़ोल ने अभिनेता विजय वर्मा के साथ टेस्ट व्हाट यू ट्रस्ट चैलेंज लॉन्च किया

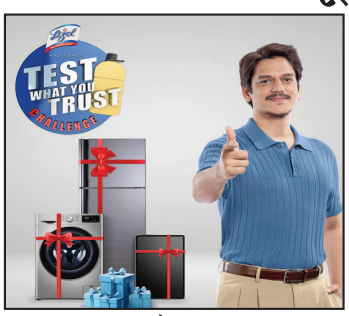

सूरत । भारत के प्रमुख कीटाणुनाशक ब्रांड लाइज़ोल ने अपनी तरह की पहली चुनौती - टेस्ट व्हाट यू ट्रस्ट लॉन्च की है। यह चुनौती फिनाइल में उपभोक्ताओं के विश्वास को चुनौती देने और कीटाणुशोधन और सफाई पर वास्तविक सबूतों के साथ-साथ उनकी प्रभावकारिता के भ्रामक दावों को तोड़ने के लिए शुरू की गई थी। इस अभिनव अभियान के माध्यम से, लाइज़ोल ने उपभोक्ताओं को साहसपूर्वक चुनौती दी कि वे घर पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए उन फिनोल का पुनर्मूल्यांकन करें जिन पर वे भरोसा करते हैं। सक्रिय रूप से परीक्षण की वकालत करते हुए, लिसोल ने सभी से फर्श क्लीनर के साथ-साथ अन्य उत्पादों का परीक्षण करके अपने परिवार की सुरक्षा और सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

वीएमएल इंडिया की सीईओ सुश्री बबीता बरुआ ने कहा, 'लाइज़ोल का टेस्ट योर ट्रस्ट चैलेंज अभियान व्यावसायिक चुनौतियों को हल करने के लिए सांस्कृतिक अंतर्दृष्टि का लाभ उठाने में विज्ञापन के गहरे प्रभाव का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। हम उपभोक्ताओं से लोकप्रिय धारणा को तोड़ने और वास्तव में अपने विश्वसनीय ब्रांडों के प्रदर्शन का परीक्षण करने का आग्रह करके उपभोक्ता दृष्टिकोण को नया आकार दे रहे हैं। इस यात्रा में रेकिट इंडिया के साथ साझेदारी करना वीएमएल इंडिया के लिए गर्व की बात है और हमें पूरी उम्मीद है कि हमारे सहयोगात्मक प्रयास को ग्राहकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी।'

श्री सौरभ जैन, क्षेत्रीय विपणन निदेशक, स्वच्छता, रेकिट - दक्षिण एशिया ने कहा, "लाइज़ोल दशकों से परिवारों को कीटाणुओं से सुरक्षित रखने का बहुत अच्छा काम कर रहा है। उपभोक्ता अक्सर फिनाइल की तेज गंध को बेहतर रोगाणुनाशक गुणों से जोड़ते हैं। हम लिस्लो की रोगाणुनाशक प्रभावकारिता में आश्वस्त हैं और उपभोक्ताओं को किसी भी फिनाइल ब्रांड को नामांकित करने के लिए आमंत्रित करते हैं जिसके बारे में उनका मानना है कि यह वैज्ञानिक परीक्षण से गुजरता है। और एक विशेषज्ञ के रूप में बेहतर साबित हो सकता है।'

रियलमी ने 10,999 रुपये के शुरुआती मूल्य में एंट्री-लेवल 5G किलर, रियलमी 12X 5G पेश किया

नई दिल्ली। भारत के सबसे भरोसेमंद स्मार्टफोन सेवा प्रदाता, रियलमी ने आज रियलमी 12× 5जी लॉन्च किया। रियलमी नंबर सीरीज़ का यह नया स्मार्टफोन कंपनी के सफर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो जो इसके 'मेक इट रियल' के सिद्धांत को जीवंत करके युवा आबादी की डायनामिक पसंदों के अनुरूप है।

एंट्री-लेवल 5G किलर के रूप में रियलमी 12X 5G यूज़र्स को अद्वितीय अनुभव प्रदान करेगा। यह 45W सुपरवूक चार्जिंग और 5000 mAh की शक्तिशाली बैटरी के साथ भारत में अपने सेगमेंट का पहला स्मार्टफोन है। इसमें एयर जेस्चर कंट्रोल अपने सेगमेंट में पहली बार दिया गया है। इस स्मार्टफोन में अपने सेगमेंट में 120Hz के सर्वाधिक रिफ्रेश रेट और 800 निट्स की ब्राइटनेस के साथ सेगमेंट का सबसे ब्राइट डिस्प्ले है। इसमें मीडियाटेक डायमेंसिटी 6100+ 5G चिपसेट लगा है और अपने सेगमेंट का पहला वेपर चैंबर कूलिंग सिस्टम* भी दिया गया है। यह फैशन से प्रेरित डिज़ाइन के साथ 7.69 मिमी पतली सुपर स्लिम बॉडी के साथ आता है। इसमें 50MP के AI कैमरा, 2MP के सेकंडरी कैमरा और 8MP के सेल्फी कैमरा के साथ एक शानदार कैमरा सेटअप है। इसके अलावा इसमें IP54 डस्ट एवं वॉटर रजिस्टेंस, ड्युअल स्टीरियो स्पीकर और 128GB की विशाल स्टोरेज क्षमता के साथ 8GB+8 GB की डायनामिक रैम जैसी अन्य फ्लैगशिप विशेषताएं भी शामिल हैं।

*सेगमेंट का मतलब समान मूल्य सीमा के अन्य स्मार्टफोंस से है।

इस लॉन्च के बारे में रियलमी के प्रवक्ता ने कहा, "हम रियलमी 12× 5G पेश करके बहुत उत्साहित हैं। यह हमारी नंबर सीरीज़ का सबसे नया स्मार्टफोन है। यह एक एंट्री-लेवल 5G किलर है, जो अपनी आधुनिक विशेषताओं और बेहतरीन मूल्य के साथ एंट्री-लेवल बाजार में हलचल मचा देगा। हमने युवा ग्राहकों को समर्थ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के साथ रियलमी 12× 5G में कई इनोवेटिव फीचर्स दिए हैं। इसमें 5G स्मार्टफोन में पहली बार 45W सुपरवूक चार्ज और एयर जेस्चर कंट्रोल जैसी खूबियाँ 11,000 रुपये से कम मूल्य में दी गई हैं। हमारा मानना है कि टेक्नोलॉजी हर किसी तक पहुँचनी चाहिए, और रियलमी 12× 5G के साथ हम अपने इस उद्देश्य को पूरा कर रहे हैं।

सैमसंग ने एआई क्षमताओं से सुसज्जित और एडवांस्ड कनेक्टिविटी वाले बेस्पोक घरेलू उपकरणों की पूरी सीरीज का खुलासा किया

मुंबई, महाराष्ट्र ।

भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज बेस्पोक अप्लाएंसेज (उपकरणों) का प्रदर्शन किया। ये उपकरण एआई संचालित हैं, जो कनेक्टेड और पर्यावरण के लिहाज से अनुकूल घरों के भविष्य की आवश्यकताओं को सामने रखते हैं। एआई-संचालित घरेलू उपकरणों के साथ, सैमसंग का लक्ष्य तेजी से बढ़ते प्रीमियम उपकरण बाजार में ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करना है। इनबिल्ट वाई-फाई, आंतरिक कैमरे और एआई चिप्स के साथ, बेस्पोक एआई की विशेषता वाले सैमसंग के ये नए उपकरण स्मार्टथिंग्स एप्लिकेशन के माध्यम से आसान पहुंच नियंत्रण के साथ सहजता से कनेक्ट होते हैं और आसानी से घरों का प्रबंधन करने में मदद करते हैं। सैमसंग दक्षिण पश्चिम एशिया के अध्यक्ष और सीईओ जेबी पार्क ने कहा, "हम बेस्पोक एआई पेश कर रहे हैं, जो घरेलू उपकरणों में हमारा अगला बड़ा इनोवेशन है। यह भारतीय घरों के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करते हुए ऊर्जा की खपत को कम करेगा, जो हमारे ग्रह को हरा भरा बनाने में योगदान देगा। हमारे बेस्पोक एआई-संचालित घरेलू उपकरणों के साथ, उपभोक्ता अपनी पसंद के मुताबिक बदलाव करने, बुजुर्गों और बच्चों के लिए आसान कंट्रोल सुनिश्चित करने और अपने घरेलू उपकरणों की आसाना जांच में सक्षम होंगे। एआई की बदलाव लाने वाली ताकत के साथ, हमें विश्वास है कि बेस्पोक एआई भारत में डिजिटल उपकरणों के बाजार में हमारे नेतृत्व को और अधिक मजबूती देगा।"

एआई इन उपकरणों को लंबे समय तक चलने में मददगार बनाने और स्थिरता को बढ़ाने में भी मदद करता है। जब उनके रेफ्रिजरेटर को पानी फिल्टर बदलने की आवश्यकता होती है या एयर कंडीशनर को फिल्टर बदलने की आवश्यकता होती है तो यूजर्स को स्मार्टथिंग्स एप के माध्यम से सूचित किया जाता है। एआई की शुरूआत के साथ, सैमसंग का लक्ष्य इन उपकरणों को प्रबंधित करने में लगने वाले समय को कम करना है। 'बेस्पोक एआई' इवेंट सैमसंग बीकेसी के जियो वर्ल्ड प्लाजा में आयोजित किया गया था।

सैमसंग इंडिया के डिजिटल उपकरण के वरिष्ठ निदेशक सौरभ बैशाखिया ने कहा, "एआई के साथ, उपकरण अब अधिक स्मार्ट हो सकते हैं, और घरेलू कामों में लगने वाले यूजर्स के समय और ऊर्जा को कम करने में मदद कर सकते हैं। उन्नत कनेक्टिविटी और एआई क्षमताओं के माध्यम से, ये उपकरण स्मार्ट होम अनुभव में क्रांति लाकर उपभोक्ता अनुभव को नई ऊंचाई पर ले जाते हैं। एआई उपकरणों के साथ, हमारा उद्देश्य अपने प्रीमियम पोर्टफोलियो को और मजबूत करना और प्रीमियम उपकरण खंड में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना है।"

भारत में रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, माइक्रोवेव और वॉशिंग मशीन सहित सैमसंग के विशेष उपकरण अब एआई द्वारा संचालित हैं।

फेविक्विक ने उपभोक्ताओं के इंस्टेंट रिपेयर अनुभव को बेहतर बनाने के लिए चार नए वेरिएंट लॉन्च किए

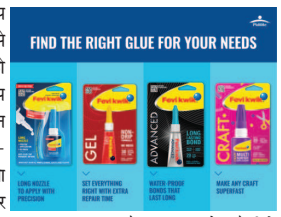

फेविक्विक, पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड के इंस्टेंट एडहेसिव सॉल्यूशंस के प्रमुख ब्रांड ने इनोवेटिव नए उत्पादों, फेविक्विक प्रिसिजन प्रो, फेविक्विक जेल, फेविक्विक एडवांस्ड और फेविक्विक क्राफ्ट के लॉन्च की घोषणा की है। नए उत्पादों के लॉन्च का उद्देश्य विभिन्न उपयोग के मामलों में उपभोक्ताओं के लिए रिपेयर अनुभव में व्यापक बदलाव लाना है।

नए उत्पादों के लॉन्च पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री सुधांशु वत्स, मैनेजिंग डायरेक्टर डेजीगनेट, पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कहा कि पिछले दो दशकों से, फेविक्विक इंस्टेंट एडहेसिव क्षेत्र में बाजार में अग्रणी रहा है। हम विभिन्न रिपेयर अवसरों में उपभोक्ताओं की लगातार बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। व्यापक स्तर पर जानकारी हासिल करने के बाद विकसित किए गए हमारे नए वेरिएंट का उद्देश्य ग्राहक अनुभव को पूरी तरह से बदलना है। प्रत्येक वैरिएंट को खास आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया गया है, जो बेहतर प्रदर्शन प्रदान करता है, और पूरे लाइन-अप में मजबूत जोड़ने की क्षमता को बनाए रखते हुए समग्र रिपेयर अनुभव को बढ़ाता है। हमारा लक्ष्य लगातार अपेक्षाओं को पार करना और नए इंडस्ट्री स्टैंडर्ड स्थापित करना है।"

उत्पादों की नई रेंज को विभिन्न उपयोग श्रेणियों में बेहतर प्रदर्शन और यूजर अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है - सटीक उपयोग के लिए फेविक्विक प्रिसिजन प्रो, स्पिल-फ्री रिपेयर और गलतियों को सही करने के अवसर के लिए फेविक्विक जेल, वॉटर-प्रूफ और शॉकप्रूफ फीचर्स के साथ फेविक्विक एडवांस्ड, और क्राफ्टिंग के शौकीनों के लिए फेविक्विक क्राफ्ट हैं।

उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के अलावा, फेविक्विक ने पूरे भारत में नए चैनल और डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर जोड़कर उत्पाद की पहुंच और उपलब्धता को प्राथमिकता दी। ब्रांड ने शहरी उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए मल्टी-यूज, आसानी से स्टॉक में आने वाली पैकेजिंग पेश की है, जिससे किसी भी इमरजेंसी के लिए तैयारी सुनिश्चित की जा सके।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)